RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल
वर्ष- 13, अंक - 183 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, गुरूवार 21 अप्रैल 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

केंद्रीय मंत्री ने कहा- भारत को आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगी नई शिक्षा नीति

बिलासपुर। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ सुभाष सरकार ने बुधवार को कहा कि नई शिक्षा नीति भारत को आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगी और साथ ही 21वीं सदी के भारत के निर्माण में मदद करेगी। केंद्रीय मंत्री सुभाष सरकार छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के 9वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य भविष्य में शिक्षा को मजबूत करना है। साथ ही कहा कि एनईपी के लाभों को देखा जाएगा। हम इसे और अधिक बारीकी से समझ रहे हैं और इसे जमीन पर लागू कर रहे हैं। यह नीति हमारे बच्चों और युवाओं को आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए तैयार करेगी। केंद्रीय मंत्री ने एनईपी के कार्यान्वयन के लिए बिलासपुर स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। साथ ही संस्थान ने एक टास्क फोर्स का गठन किया है और कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

छत्तीसगढ़ में हीट वेव की चेतावनी सीएम बघेल ने किया अफसरों को अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आने वाले 24 घंटे भीषण गर्मी वाले रहेंगे मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के 4 संभागों में हीटवेव की चेतावनी जारी की है। प्रदेश में झुलसाने वाली गर्मी पड़ रही है। सूर्य देवता का रौद्र रूप दिख रहा है। सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक गर्म हवाएं चल रही है। आज सुबह जारी चेतावनी में मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के प्रमुख शहरों में हीटवेव चलने की संभावना है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के सभी निकायों अधिकारी व कर्मचारियों को विशेष एहतियात बरतने के निर्देश जारी किए हैं।

बता दे छत्तीसगढ़ में इन दिनों गर्मी का प्रकोप है अप्रैल माह में है। प्रदेश के अधिकतम शहरों का तापमान 42 डिग्री के पार चला गया है। गुरुवार सुबह मौसम विभाग द्वारा रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर व सरगुजा संभाग में हीटवेव चलने की संभावना जताई है। इसे देखते हुए विशेष एहतियात भी बरतने कहा गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी हीटवेव को देखते सभी निकायों के लिए विशेष निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वास्थ्य विभाग और नगरीय निकायों को से कहा है कि हीटवेव से नागरिकों को बचाने के लिए समुचित प्रयास किए जाएं। सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए ताकि लोगों को पानी के लिए भटकना न पड़े। सभी निकायों को सार्वजनिक स्थलों पर प्याऊ संचालित करने का भी निर्देश दिया गया है। वहीं कर्मचारियों को भी विशेष एहतियात बरतने का निर्देश दिया गया है।

रायगढ़ जिला रहा सबसे गर्म

बुधवार को छत्तीसगढ़ का रायगढ़ शहर सबसे ज्यादा गर्म रहा। यहां 44.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है। वहीं अन्य शहरों में भी तापमान लगातार बढ़ रहा है। रायपुर में जहां 42.9 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। दुर्ग में 43.6 डिग्री वह राजनांदगांव में 44 डिग्री टेंपरेचर रहा। प्रदेश के बिलासपुर में 43 डिग्री व अंबिकापुर में 41 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। बस्तर संभाग के जगदलपुर में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। मौसम विभाग ने प्रदेश के कुछ हिस्सों में गरज चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है। कुछ हिस् में बिजली गिरने व तेज हवाएं चलने की भी संभावना जताई गई है।

स्कूलों को बंद करने का आदेश, भीषण गर्मी को देखते हुए 24 अप्रैल से ग्रीष्मावकाश, 15 जून को खुलेंगे स्कूल

छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने स्कूलों में छुट्टी का आदेश जारी कर दिया है। 24 अप्रैल से स्कूलों में गर्मी की छुट्टी शुरू हो जायेगी। स्कूलों में कुछ विषयों में एंडलाइन असेसमेंट का काम होना है, जिसके लिए 25 अप्रैल की तारीख तय की गई है। इसके बाद अगले शिक्षा सत्र के लिए स्कूल 15 जून से खुलेंगे। गर्मी की छुट्टी का यह आदेश सभी सरकारी और निजी स्कूलों पर लागू होगा। स्कूल शिक्षा विभाग के अवर सचिव सरोज उइके के हस्ताक्षर से बुधवार

शाम जारी आदेश जारी किया गया है। आदेश में कहा गया है कि प्रदेश में भीषण गर्मी को देखते हुए राज्य शासन द्वारा सभी सरकारी और निजी स्कूलों में 24 अप्रैल से ग्रीष्मावकाश शुरू कर दिया जाए। स्कूलों में केवल कुछ विषयों में एंडलाइन असेसमेंट का काम 25 अप्रैल तक किया जाना है। उन विषयों में जो विद्यार्थी स्वेच्छा से स्कूल आना चाहते हैं, उन्हें 25 अप्रैल को असेसमेंट के लिए बुलाया जाएगा। इसके बाद स्कूल अगले शिक्षा सत्र के लिए 15 जून को खुलेंगे।

सोनिया गांधी से मिले सीएम बघेल और अशोक गहलोत, चुनाव की तैयारियों को लेकर हुआ मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। इस संबंध में पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला का कहना है कि प्रशांत किशोर की ओर से दिए गए सुझावों पर मंथन का दौर अगले एक-दो दिन और चलेगा। इसी क्रम में कांग्रेस अध्यक्ष के आवास पर हुई बैठक में गहलोत और बघेल के सामने किशोर ने अपनी रणनीति रखी। दोनों ने सुझाव भी दिए। इस मौके पर कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी और सुरजेवाला भी मौजूद थे।

बैठक के बाद सुरजेवाला ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रशांत किशोर के सुझावों पर विचार के लिए एक समिति बनाई थी। इन सुझावों में कांग्रेस संगठन को और प्रभावी बनाने और आने वाले चुनावों में संगठन को चुस्त-दुरुस्त करने और संगठनात्मक बदलाव करने की बातें शामिल हैं। इन सुझावों पर पिछले तीन दिनों से गहन मंत्रणा हो रही है।

उन्होंने बताया कि समिति ने यह समझा कि संगठन को और प्रभावी बनाने के लिए दोनों मुख्यमंत्रियों से उनके सुझाव लेने जरूरी हैं। ऐसे में आज दोनों मुख्यमंत्रियों से मंत्रणा की गई। हमें उम्मीद है कि अगले 24 से 48 घंटे में यह मंत्रणा पूरी हो जाएगी। पिछले पांच दिनों के भीतर प्रशांत किशोर चौथी बार सोनिया गांधी के आवास पर पहुंचे। उन्होंने सोमवार को भी सोनिया गांधी से मुलाकात की थी।

प्रशांत किशोर ने सोनिया गांधी के आवास पर शनिवार को पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और वरिष्ठ नेताओं के समक्ष पार्टी में शामिल होने की इच्छा जताई और अगले लोकसभा चुनाव की रणनीति का खाका पेश किया। सूत्रों ने बताया कि किशोर ने सुझाव दिया है कि उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा जैसे कुछ राज्यों में कांग्रेस को नए सिरे से अपनी रणनीति बनानी चाहिए और इन प्रदेशों में गठबंधन से परहेज करना चाहिए।

कांग्रेस को मरने नहीं दिया जा सकता, यह केवल राष्ट्र के साथ ही होगी समाप्तः प्रशांत किशोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कहा है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को मरने नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि यह केवल राष्ट्र के साथ मर सकती है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं के साथ बैठक के बाद पीके ने यह बयान दिया है। 2019 के लोकसभा चुनावों में और फिर इस साल की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को झटका लगा है। कांग्रेस का लड़खड़ाता जहाज अब अपने खोए हुए गौरव को वापस पाने के लिए ठोस योजना पर निर्भर है। इसके लिए पार्टी नेतृत्व ने प्रशांत किशोर से जानकारी मांगी है। समझा जाता है कि उन्होंने कांग्रेस के पुनरुद्धार का खाका पेश कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, प्रशांत किशोर ने अपने प्रजेंटेशन में देश के राजनीतिक परिदृश्य में कांग्रेस की वर्तमान स्थिति को उसकी सांख्यिकीय ताकत और कमजोरियों पर विशेष ध्यान दिया। 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए खाका बनाने की योजना है। इसमें देश की आबादी, कांग्रेस सांसदों और विधायकों की संख्या, महिलाओं, युवाओं, छोटे व्यापारियों और किसानों के प्रति पार्टी के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला गया। पीके ने 2024 में पहली बार वोट देने वाले 13 करोड़ मतदाताओं के महत्व पर भी ध्यान केंद्रित किया।

पीके के सुझावों को ध्यान में रखकर होंगे बदलाव

कांग्रेस के रणनीतिकारों का कहना है कि संगठन में बदलाव प्रशांत किशोर की चुनावी रणनीति को ध्यान में रखते हुए किए जाएंगे। पार्टी सीडब्लूसी की बैठक भी बुलाने की तैयारी कर रही है, ताकि प्रशांत किशोर की रणनीति पर चर्चा की जा सके। इस बीच, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव रणनीतिकार के तौर पर प्रशांत किशोर की तारीफ की है। प्रशांत को देश का ब्रांड बताते हुए गहलोत ने कहा कि उनका अनुभव विपक्ष को एकजुट करने में काम आ सकता है।

कांग्रेस की हकीकत याद दिलाई

प्रशांत किशोर ने कांग्रेस नेतृत्व को याद दिलाया कि लोकसभा और राज्यसभा में कांग्रेस के सिर्फ 90 सांसद हैं और देश में 800 विधायक हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तीन राज्यों में सत्ता में है, जबकि वह तीन और राज्यों में गठबंधन सरकारों का हिस्सा है। यह 13 राज्यों में मुख्य विपक्षी दल है। उन्होंने कांग्रेस को बताया कि 1984 के बाद से उसका वोट प्रतिशत घट रहा है। ऐसे में ठोस रणनीति की जरूरत है।

संपादकीय

मास्क की वापसी

भारत में कोरोना के बढ़ते मामलों ने फिर कुछ पाबंदियों की वापसी करा दी है। जब लोग पाबंदियों से निकलकर सामान्य जीवन जीने लगे हैं, तब संक्रमण ने फिर अपना आतंक प्रदर्शित कर दिया है। राष्ट्रीय राजधानी में मास्क की न केवल वापसी हो गई है, बल्कि मास्क न पहनने वालों को 500 रुपये जुर्माना भी देना पड़ेगा। दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी की बैठक में बुधवार को यह कड़ा फैसला लेते हुए मास्क को अनिवार्य कर दिया गया है। एक चर्चा तो स्कूलों को लेकर भी थी कि क्या संक्रमण पर अंकुश के लिए स्कूलों को फिर से ऑनलाइन कर दिया जाए। बमुश्किल घरों से निकले बच्चों से ज्यादा उनके अभिभावकों को चिंता हो रही है, क्योंकि किसी-किसी दिन बच्चों में संक्रमण ज्यादा दिख रहा है। पिछले सप्ताह कुछ स्कूलों को बंद भी करना पड़ा था। बहरहाल, फैसला हुआ है कि स्कूल अभी खुले रहेंगे। स्कूलों को खोले रखना जरूरी ही नहीं, मजबूरी भी है। पढ़ाई का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई आसान नहीं है। इसके अलावा, स्कूलों का प्रबंधन भी प्रभावित हुआ है, वर्तमान स्कूली ढांचे के तहत स्कूलों के लिए ऑफलाइन होना गंभीर अनिवार्यता है।

> डॉक्टरों का पहले से मानना रहा है कि कमजोर स्वास्थ्य के लोगों को हमेशा मास्क पहनना चाहिए। बेशक, स्कूल खुले रहेंगे, लेकिन स्कूलों को पूरी सावधानी और चौकसी का परिचय देना होगा। दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मिजोरम की सरकारों को केंद्र की ओर से सचेत भी किया गया है। मतलब, कोरोना से लड़ाई को अभी कतई खत्म नहीं मानना चाहिए।

दिल्ली में आगामी दिनों में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। डॉक्टर हालात पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। बैठक में यह भी चर्चा हुई है कि अभी कोरोना के मामले ऐसे नहीं हैं कि अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़े। जो बच्चे संक्रमित हुए हैं, उनमें से ज्यादातर का इलाज घर में ही चल रहा है। अतः स्कूल और आपदा प्रबंधन से जुड़े लोग अभी संक्रमण की रफ्तार जांचने के पक्ष में हैं। अगले 15 दिन अस्पतालों में मरीजों के भर्ती होने के अनुपात को समझा जाएगा। आरटी-पीसीआर टेस्ट में संक्रमित पाए जाने वाले सभी सैंपल की जीनोम सिक्वेंसिंग कराने का भी फैसला किया गया है। जांच भी बढ़ाई जाएगी, पर इसके लिए लोगों को स्वयं आगे आना होगा। चिकित्सा महकमे को देखना होगा कि जांच की सुविधाओं में कमी नहीं आनी चाहिए। कई बार लोग जांच की परेशानी से बचते हुए ही उपचार को तरजीह देते हैं। जबकि जांच और उसके परिणाम संक्रमण की प्रवृत्ति पर नजर रखने के लिए जरूरी हैं। सरकार ने फैसला लिया है कि लक्षण वाले सभी लोगों की जांच कराई जाएगी, तो इसके लिए जगह-जगह सरकारी अस्पतालों में इंतजाम भी पूरे रखने होंगे। दूसरी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों पर भी नजर रखने का फैसला उपयोगी है, क्योंकि कोरोना से गुजर चुके लोग बड़ी संख्या में तरह-तरह की बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। फिर दिल्ली की बात करें, तो मंगलवार को कोरोना संक्रमण के 632 नए मामले सामने आए हैं। संक्रमण दर अभी भी चिंता की वजह है। 11 से 18 अप्रैल के बीच दिल्ली में दैनिक मामलों में लगभग तीन गुना वृद्धि देखी गई है, इसलिए दिल्ली को देश में कोरोना के नए केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। अतः कड़ाई समय की मांग है, ताकि लॉकडाउन के बाद पूरी रफ्तार पकड़ चुके राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थिति हाथ से नहीं निकले। डॉक्टरों का पहले से मानना रहा है कि कमजोर स्वास्थ्य के लोगों को हमेशा मास्क पहनना चाहिए। बेशक, स्कूल खुले रहेंगे, लेकिन स्कूलों को पूरी सावधानी और चौकसी का परिचय देना होगा। दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मिजोरम की सरकारों को केंद्र की ओर से सचेत भी किया गया है। मतलब, कोरोना से लड़ाई को अभी कतई खत्म नहीं मानना चाहिए।

मुट्ठीभर उग्रवादियों के भरोसे भारत ?

रामनवमी और हनुमान जयंति के अवसरों पर देश के कई प्रदेशों में हिंसा और तोड़-फोड़ के दृश्य देखे गए। उत्तर भारत के प्रांतों के अलावा ऐसी घटनाएं दक्षिण और पूर्व के प्रांतों में भी हुईं। हालांकि इनमें सांप्रदायिक दंगों की तरह बहुत खून नहीं बहा लेकिन मुझे याद नहीं पड़ता कि आज़ाद भारत में ऐसी हिंसात्मक घटनाएं कभी कई प्रदेशों में एक साथ हुई हों। ऐसा होना काफी चिंता का विषय है।

यह बताता है कि पूरे भारत में सांप्रदायिक विद्वेष की कोई ऐसी अदृश्य धारा बह रही है, जो किसी न किसी बहाने भड़क उठती है। विरोधी दलों ने संयुक्त बयान देकर पूछा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं? वे कुछ बोलते क्यों नहीं हैं? इस प्रश्न का भावार्थ यह है कि इन हिंसात्मक कार्रवाइयों को भाजपा सरकार का आशीर्वाद प्राप्त है। विरोधी दलों के नेता इन कार्रवाइयों के लिए सत्ताधारी भाजपा को जिम्मेदार ठहराना चाहते हैं। यहां यह सवाल भी विचारणीय है कि क्या इस तरह के सांप्रदायिक दंगे और हिंसात्मक घटना-क्रम सिर्फ भाजपा शासन-काल में ही होते हैं? कांग्रेसियों, कम्युनिस्टों और समाजवादियों के शासनकाल में ऐसी घटनाएं क्या बिलकुल नहीं हुई हैं? यह हमारे भारतीय समाज का स्थायी चरित्र बन गया है कि हम अपने राष्ट्र से भी कहीं ज्यादा महत्व अपनी जात और अपने मज़हब को देते हैं। 1947 के बाद जिस नए शक्तिशाली और एकात्म राष्ट्र का हमें निर्माण करना था, उस सपने का थोक वोट की राजनीति ने चूरा-चूरा कर दिया।

थोक वोट के लालच में सभी राजनीतिक दल जातिवाद और सांप्रदायिकता का सहारा लेने में ज़रा भी संकोच नहीं करते। भारत में ऐसे लोग सबसे ज्यादा हैं, जिनका नाम सुनते ही उनमें से उनकी जात और मजहब का नगाड़ा बजने लगता है। जो कोई अपनी जात और मजहब को बनाए रखना चाहते हैं, उन्हें उसकी पूरी आजादी होनी चाहिए लेकिन उनके नाम पर घृणा फैलाना, ऊँच-नीच को बढ़ाना, दंगे और तोड़-फोड़ करना कहां तक उचित है?

-वेद प्रताप वैदिक

> यही वजह है कि हानिकारक शोर को कम करना, इसके खतरे को टालना, शोर से बचने के लिए प्रभावी निजी सुरक्षा उपकरण मुहैया कराना, स्क्रीनिंग द्वारा शोर-प्रेरित बहरेपन का शीघ्र पता लगाना और श्रवण-शक्ति गंवा चुके लोगों का इलाज सार्वजनिक स्वास्थ्य लक्ष्य का हिस्सा हैं। हमें यह समझना ही होगा कि श्रवण शक्ति का ह्रास न सिर्फ इंसान को प्रभावित करता है, बल्कि समाज पर भी नकारात्मक असर डालता है। लिहाजा, शोर-प्रेरित बहरेपन की समस्या को नजरंदाज करना हमें भारी पड़ सकता है।

बेहिसाब शोर से मिलती बीमारियां

सुनीला गर्ग, चिकित्सक और प्रोफेसर

शोर से होने वाली बहरेपन की बीमारी एक गंभीर स्वास्थ्यगत समस्या है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की 'वर्ल्ड हीयरिंग रिपोर्ट' के मुताबिक, विश्व की 1.5 अरब आबादी बहरेपन के साथ जी रही है, जिनमें से कम से कम 43 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनके मर्ज का इलाज हो सकता है। अंदेशा है, साल 2050 तक ऐसे लोगों की संख्या 70 करोड़ हो जाएगी। ध्वनि प्रदूषण दरअसल ऐसे अवांछित विद्युत-चुंबकीय संकेत हैं, जो इंसान को कई रूपों में नुकसान पहुंचाते हैं। इसीलिए, शोर-प्रेरित बहरेपन पर फौरन ध्यान देने की जरूरत है।

वैश्विक अध्ययन बताते हैं कि निर्माण कार्य, औद्योगिक कामकाज (मोटर वाहन उद्योग, खदान, कपड़ा उद्योग आदि), जहाज बनाने या मरम्मत करने संबंधी काम, अग्निशमन, नागरिक उड्डयन आदि सेवाओं में लगे श्रमिकों में शोर-प्रेरित बहरेपन का खतरा ज्यादा होता है। हालांकि, श्रवण के लिहाज से असुरक्षित मनोरंजन के साधन, आवासीय स्थान, और असैन्य व सैन्य सेवाएं भी बहरेपन की समस्या बढ़ा सकती हैं। आकलन है कि 15 फीसदी नौजवान संगीत कार्यक्रमों, खेल आयोजनों और दैनिक कामकाज में होने वाले तेज शोर से बहरेपन का शिकार होते हैं।

शोर-प्रेरित बहरेपन की समस्या विकासशील देशों में ज्यादा है, जहां तीव्र औद्योगिकीकरण, अनौपचारिक क्षेत्र के विस्तार और सुरक्षात्मक व शोर-नियंत्रणरोधी उपायों की कमी से लोग चौतरफा शोर-शराबे में दिन बिताने को अभिशप्त हैं। भारत में तो शोर-प्रेरित बहरेपन को फैक्टरी ऐक्ट ऐसी बीमारी मानता है, जिस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। महानिदेशालय कारखाना सलाह सेवा व श्रम संस्थान (डीजीएफएएसएलआई) ने आठ घंटे तक ही अधिकतम 90 डेसीबल आवाज में रहने की अनुशंसा की है।

सन् 2015 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अनुमान लगाया था कि श्रवण के असुरक्षित तरीकों से 1.1 अरब नौजवानों में बहरेपन का खतरा है। मगर कार्यस्थलों पर शोर ही मूल समस्या नहीं है। हाल के दिनों में धर्मस्थलों या इबादतगाहों में आस्था के नाम पर लाउडस्पीकरों का जमकर इस्तेमाल होने लगा है। विश्व शांति के लिए होने वाले आयोजन भी बिना शोर-शराबे के पूरे नहीं होते हैं, जबकि 85 डेसीबल से अधिक तेज आवाज अगर हमारे कानों में पहुंचती है, तो हमें अस्थायी बहरेपन की समस्या हो सकती है और हमारी सुनने की क्षमता कम हो सकती है। तेज आवाज के संपर्क में आने के 10-15 दिनों में इसका इलाज संभव है। मगर कान की रोम कोशिकाएं और संबंधित तंत्रिका तंतु यदि बार-बार या निरंतर शोर के संपर्क में रहे, तो बहरापन स्थायी बन सकता है। अत्यधिक शोर के असर से स्थायी स्मृति लोप और मानसिक रोग भी हो सकते हैं।

तेज संगीत और आसपास के शोर या अचानक तेज आवाज के संपर्क में आने से भी सुनने की हमारी क्षमता धीरे-धीरे खत्म हो सकती है। दरअसल, तेज आवाज नाजुक श्रवण कोशिकाओं को उत्तेजित करती है, जिससे वे स्थायी रूप से चोटिल या खत्म हो सकती हैं। इस तरह से एक बार यदि सुनने की क्षमता खत्म हो जाए, तो उसे फिर से हासिल करना नामुमकिन है। इसी तरह, सड़कों पर गाड़ियों के हॉर्न का अविवेकपूर्ण इस्तेमाल और देश के अलग-अलग समुदायों में सामाजिक व धार्मिक जलसों में लाउडस्पीकरों के व्यापक उपयोग से भी कई तरह की स्वास्थ्यगत समस्याएं हो सकती हैं। इनसे मानसिक रोग, बहरापन, उच्च रक्तचाप, चक्कर आना, घबराहट, अनिद्रा जैसी बीमारियां हो सकती हैं। तेज शोर के संपर्क में आने वाला व्यक्ति रक्त-बहाव तंत्र से जुड़ी बीमारियों, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, पेप्टिक अल्सर और तंत्रिका संबंधी रोगों का शिकार भी हो सकता है।

जाहिर है, हमें उन उपायों को अमल में लाना होगा, जिनसे तेज शोर के कारण होने वाली समस्याएं खत्म हो सकें। इनमें से सबसे अच्छा रास्ता तो यही है कि शोर या आसपास की तेज आवाज को कम किया जाए। सर्वोच्च अदालत का मानना है कि ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अदालत से निर्देश जारी हो सकता है, भले ही वह शोर धार्मिक गतिविधियों की वजह से क्यों न पैदा हो रहा हो। उसने कहा है, कोई भी धर्म इसकी अनुमति नहीं देता कि दूसरों की शांति को भंग करके प्रार्थना की जानी चाहिए। एक सभ्य समाज में मजहब के नाम पर ऐसी गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जा सकती, जो वृद्ध या दुर्बल लोगों, छात्रों या बच्चों की रात, सुबह या दिन की नींद में खलल डालती हैं। अदालत का यह निर्देश दिवाली और अन्य त्योहारों के समय होने वाली आतिशबाजी के संदर्भ में आया था। कोर्ट ने माना है कि भारतीय समाज बहुलतावादी है। यहां के लोग विभिन्न जातियों और समुदायों में बंटे हुए हैं और विभिन्न धर्मों में आस्था रखते हैं। वे विभिन्न त्योहार मानते हैं। वे एक-दूसरे के प्रति सहिष्णु हैं। इसलिए यदि एक को छूट दी जाती है, तो दूसरे को छूट न देने का कोई औचित्य नहीं होगा। और, अगर हम ऐसा करते हैं, तो छूट नियम बन जाएगी। तब कानूनों को लागू कराना मुश्किल हो जाएगा।

वैसे भी, निद्रा हमारा मौलिक अधिकार है। शीर्ष अदालत भी यह मानती है कि बेहतर स्वास्थ्य के आवश्यक तत्वों में संतुलन बनाए रखने के लिए इंसान के लिए नींद अनिवार्य है। इसीलिए, नींद एक मूलभूत आवश्यकता है, जिसके बिना मानव जीवन का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। नींद में खलल डालना यातना के समान होगा, जिसे अब मानव अधिकार के उल्लंघन के रूप में स्वीकार किया जाता है।

साफ है, तेज ध्वनि के संपर्क में आने से बचना बहरेपन से जुड़ी समस्या का एक प्रभावी निदान माना जाता है। यही वजह है कि हानिकारक शोर को कम करना, इसके खतरे को टालना, शोर से बचने के लिए प्रभावी निजी सुरक्षा उपकरण मुहैया कराना, स्क्रीनिंग द्वारा शोर-प्रेरित बहरेपन का शीघ्र पता लगाना और श्रवण-शक्ति गंवा चुके लोगों का इलाज सार्वजनिक स्वास्थ्य लक्ष्य का हिस्सा हैं। हमें यह समझना ही होगा कि श्रवण शक्ति का ह्रास न सिर्फ इंसान को प्रभावित करता है, बल्कि समाज पर भी नकारात्मक असर डालता है। लिहाजा, शोर-प्रेरित बहरेपन की समस्या को नजरंदाज करना हमें भारी पड़ सकता है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

नए सैन्य प्रमुख के आगे होगा बड़ी चुनौतियों का अंबार

राहुल सिंह

चीन द्वारा पेश की गई सैन्य चुनौतियों का सामना करने के लिए क्षमता निर्माण, सैन्य थियेटराइजेशन अभियान को गति प्रदान करना, सैन्य अनुपात में सुधार और स्वदेशीकरण पर ध्यान देते हुए रक्षा बजट का बेहतर उपयोग भारत की प्राथमिकताओं में शामिल है। इन प्राथमिकताओं के बीच सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे 30 अप्रैल को 13 लाख संख्या वाले मजबूत सुरक्षा बल की बागडोर संभालेंगे। वह कोर ऑफइंजीनियर्स से शीर्ष पद संभालने वाले पहले अधिकारी होंगे। 59 वर्षीय जनरल के पास अपने दृष्टिकोण को लागू करने और सुरक्षा बल के सामने आने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए दो साल और एक महीने का समय होगा। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पिछले दो वर्षों में चीन के साथ हमारी सीमाओं पर हुए बदलाव ने औचक किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने की जरूरत को रेखांकित किया है। किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए सेना की युद्ध क्षमता को बढ़ाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक होगा। भारत-चीन सीमा पर अभी भी 50,000 से 60,000 सैनिक हैं और लद्दाख के मोर्चे पर उन्नत हथियार भी तैनात हैं। रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल डीएस हुड्डा इशारा करते हैं कि चीन की ओर से उभरती सैन्य चुनौतियां नए सैन्य प्रमुख के लिए एक शीर्ष फोकस का क्षेत्र है।

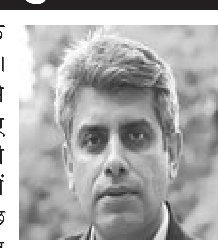

एक चुस्त और तकनीकी रूप से उन्नत सुरक्षा बल बनाने के लिए सेना में सुधार और पुनर्गठन भी प्राथमिकता होगा। अभी सेना में टूथ-टु-टेल मतलब दांत से पूंछ तक अनुपात सुधारने की जरूरत है, इसका अर्थ है एक लड़ाकू सैनिक (दांत) के पीछे सहयोग के लिए आवश्यक कर्मियों (पूंछ) की संख्या।

लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे, जो अभी सेना के उप-प्रमुख हैं, 29वें प्रमुख के रूप में ऐसे समय में पदभार संभालेंगे, जब भारत सेना की विशेष तैनाती व रूपरेखा या सैन्य थियेटर के लिए एक रोडमैप पर काम कर रहा है। लंबे समय से प्रतीक्षित रक्षा सुधार भविष्य के लिए तीनों सेनाओं के संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए जरूरी है। सैन्य रणनीतिकार त्रि-रक्षा सेवा तालमेल बढ़ाने के लिए चार एकीकृत कमांड स्थापित करना चाहते हैं, दो भूमि केंद्रित कमांड, एक वायु रक्षा कमांड और एक समुद्री कमांड। उम्मीद की जा रही है कि तीनों सेनाएं इस महीने थियेटराइजेशन और संयुक्त ढांचे पर व्यापक रिपोर्ट पेश करेंगी। लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे अन्य दो सैन्य प्रमुखों के साथ सैन्य ढांचे की योजनाओं को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सशस्त्र बलों के पास वर्तमान में देश भर में फैले 17 सिंगल-सर्विस कमांड हैं। भारतीय थल सेना और भारतीय वायु सेना के पास सात-सात कमांड हैं, जबकि भारतीय नौसेना के पास तीन हैं। भारत के पहले चीफऑफडिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत सैन्य थियेटर निर्माण अभियान की अगुवाई कर रहे थे। वह पिछले दिसंबर में हेलीकॉप्टर दुर्घटना के शिकार हो गए थे। सरकार ने अभी तक उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति नहीं की है। सीडीएस के निधन को सैन्य सुधारों के लिए एक झटके के रूप में देखा गया था। खैर, मनोज पांडे ऐसे समय में सैन्य प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालेंगे, जब सैन्य योजनाकार भारत की सैन्य तैयारियों पर रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव का आकलन कर रहे हैं, क्योंकि देश के दो-तिहाई सैन्य उपकरण रूसी मूल के हैं। इस युद्ध ने भारत की सैन्य तैयारियों को परीक्षा में डाल दिया है, और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए नई तात्कालिक जरूरत खड़ी कर दी है। पेशेवर सैन्य शिक्षा की समीक्षा भी महत्वपूर्ण हो गई है।

यह भी गौर करने की बात है कि सरकार ने वरिष्ठता के आधार पर लेफ्टिनेंट जनरल पांडे को अगले प्रमुख के रूप में नामित किया है, क्योंकि वह वर्तमान में जनरल नरवणे के बाद सेना में सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं। अतीत में सरकार द्वारा शीर्ष अधिकारियों व वरिष्ठता की अनदेखी के उदाहरण भी हमने देखे हैं। मिसाल के लिए, सरकार ने 31 दिसंबर, 2016 को बिपिन रावत को सेना प्रमुख के रूप में नियुक्त करने के लिए दो शीर्ष जनरलों - लेफ्टिनेंट जनरल प्रवीण बख्शी और पीएम हारिज को नजरंदाज कर दिया था। जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर में सेवा के अनुभव के कारण चयन का पलड़ा रावत की ओर झुक गया था।

बहरहाल, 1 फरवरी को सैन्य उप-प्रमुख का पदभार ग्रहण करने से पहले लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे पूर्वी क्षेत्र में चीन के साथ लगती भारत की सीमाओं की रक्षा के लिए जिम्मेदार कोलकाता स्थित मुख्यालय पूर्वी कमान का नेतृत्व कर रहे थे। अपने 39 साल के सैन्य करियर में जनरल पांडे अनेक जिम्मेदारियां निभा चुके हैं, लेकिन अब उन्हें भी अपनी सबसे बड़ी जिम्मेदारी का इंतजार होगा।

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

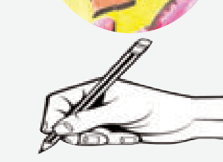

शब्द रूकें ठहरा
मन बिखर गए,
अंदाज जिंदगी भी
खो गई तन्हाई के
मौन शब्दों में।

-अंजली जैन
7024460938

विपक्ष की हाय तौबा से भाजपा को फायदा

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस सहित लगभग सभी विपक्षी पार्टियों के नेताओं के ऊपर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई चल रही है। लगभग सभी के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों-सीबीआई, आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की कार्रवाई भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में हो रही है। दिलचस्प बात यह है कि एकाध अपवादों को छोड़ दें तो गिरफ्तारी किसी की नहीं हुई है। उलटे जो लोग पहले से केंद्रीय एजेंसियों की जांच के दायरे में थे उनकी रिहाई हो गई है। केंद्र की पिछली यूपीए सरकार के समय 2जी घोटाले का सबसे बड़ा हल्ला मचा था लेकिन इसके सारे आरोपी सीबीआई की विशेष अदालत से बरी हो गए हैं। बाकी घोटालों जैसे कोयला घोटाला, आदर्श हाउसिंग सोसायटी घोटाला, कॉमनवेल्थ खेल घोटाला, एंट्रिक्स-देवास घोटाला आदि की भी कहीं चर्चा नहीं होती है। विपक्ष के नेताओं की नए नए मामलों में जांच चल रही है और सबके सिर पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है।

यंग इंडियन और एसोसिएटेड जर्नल्स के केस में सोनिया और राहुल गांधी दोनों उलझे हैं लेकिन केंद्रीय एजेंसियां उनके साथ साथ मल्लिकार्जुन खड़गे और पवन बंसल से भी पूछताछ कर रही हैं। मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीज जब तक जीवित थे, तब तक उनसे भी पूछताछ होती थी। बरसों से यह मामला एक कदम भी आगे नहीं बढ़ पाया है। केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का दायरा कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से असम तक है। क्रिकेट एसोसिएशन और बैंक घोटाले में कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला दोनों से पूछताछ हुई है तो केरल के मुख्यमंत्री तक सोने की तस्करी की जांच पहुंची है। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी यानी शिव सेना, एनसीपी और कांग्रेस के कोई 14 नेताओं और मंत्रियों के खिलाफ जांच चल रही है तो पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी व उनकी पत्नी सहित तृणमूल के एक दर्जन नेताओं पर जांच चल रही है। राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, वाईएसआर कांग्रेस, एनसीपी, शिव सेना, डीएमके, अन्ना डीएमके से लेकर ईमानदार राजनीति करने का दावा करने वाली आम आदमी पार्टी तक कोई भी दल नहीं है, जिसके बड़े नेताओं के खिलाफ जांच नहीं चल रही है या जिनके ऊपर केंद्रीय एजेंसियों की तलवार नहीं लटकी हुई है।

ध्यान रहे जांच सबकी चल रही है, छापे पड़ रहे हैं और पूछताछ भी हो रही है लेकिन गिरफ्तार सिर्फ दो-तीन नेता ही हुए हैं। वह भी पार्टी के सर्वोच्च नेता नहीं, बल्कि दूसरी-तीसरी पंक्ति के नेता। क्या विपक्षी पार्टियों को इसका मतलब नहीं समझ रहा है? इसका सीधा मतलब यह है कि सरकार उनकी साख खराब करने का काम कर रही है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

Worry for XII Board exams?? Join Commerce Guru
COMMERCE GURU
17, Gourav path, Sunder nagar, Bhilai 9644454810

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

कैंसर स्क्रीनिंग पर हुआ प्रशिक्षण सम्पन्न

रायपुर। कैंसर के लक्षणों की समय पर पहचान और जांच कर संभावित रोगियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए राज्य में 60 नर्सों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण आज से यहाँ शुरू हुआ । यह प्रशिक्षण राजधानी के पं.जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, मातृ एवं शिशु चिकित्सालय, कालीबाड़ी एवं जिला अस्पताल में आयोजित किया जा रहा है । नेशनल प्रोग्राम फार कंट्रोल ऑफ कैंसर, डायबिटीज, कैंसर, कार्टियक कार्डियोवस्कुलर डिजिज डिसीजेस एंड स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) के उप संचालक डॉ. महेंद्र सिंह ने बताया: ' 'प्रशिक्षण का उद्देश्य समय रहते मुख, योनि एवं स्तन कैंसर के संभावित लक्षणों की जांच कर बेहतर इलाज उपलब्ध कराना है । किसी भी प्रकार का कैंसर समय रहते पहचान होने पर उसका इलाज किया जा सकता है, साथ ही रोगी के जीवन काल को बढ़ाया जा सकता है।' ' इस साल विश्व कैंसर दिवस की थीम क्लोज द केयर गैप निर्धारित की गई है जो कैंसर देखभाल में असमानताओं की पहचान करने और उनका आकलन करने के लिए समर्पित है। इसी को आगे बढ़ते हुए जिले में तीन जगह प्रशिक्षण आयोजित किया है ।

किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी अभियान के तहत फसल बीमा पाठशाला का भी होगा आयोजन

रायपुर। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आगामी 24 अप्रैल से 01 मई के बीच राज्य के सभी जिलों पीएम किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत पंजीकृत शत-प्रतिशत किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने हेतु किसान भागीदारी-प्राथमिकता हमारी अभियान संचालित किया जाएगा। इस दौरान किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रावधानों, महत्व एवं लाभ तथा बीमा संबंधी जानकारी से जागरूक करने हेतु फसल बीमा पाठशाला का भी आयोजन गांवों में होगा। संयुक्त सचिव कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग छत्तीसगढ़ श्री के.सी. पैकरा ने कृषि, उद्यानिकी, बीमा पाठशाला के संबंध में संयुक्त सचिव एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

दृढ़ निश्चय और बुलंद हौसले के साथ कठिन राह आसान हो जाती है : राज्यपाल सुश्री उइके

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने आज यहां बिलासपुर के गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 9वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि दृढ़ निश्चय और बुलंद हौसले के साथ कठिन से कठिन राह भी आसान हो जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि समाज और राष्ट्र के प्रति भी हमारी जिम्मेदारियां होती है, जिनका निर्वहन हमें पूरी निष्ठा के साथ करना चाहिए। राज्यपाल ने 141 उत्कृष्ट विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल तथा 81 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की।

सुश्री उइके ने उपाधि प्राप्त करने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत, दीक्षा का अंत नहीं है बल्कि यह दीक्षा का प्रारंभ है। इसके बाद जीवन के कर्म क्षेत्र में प्रवेश कर नए अनुभवों को सीखने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि अध्ययन का काल हमारे जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण समय होता है। इस समय हमारे अंदर संस्कारों का निर्माण और क्षमताओं का विकास होता है। शिक्षा हमें संस्कारवान, सौम्य और संयमी बनाती है। सुश्री उइके ने कहा कि ज्ञान ही वह अस्त्र है जो हमें जीवन की कठिनाईयों से लड़कर आगे बढ़ने की राह दिखाता है। ज्ञान अर्जन करने की कोई सीमा नहीं होती है और न ही यह उपाधियों तक सीमित होती है बल्कि यह आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने समस्त विद्यार्थियों से आव्हान किया कि उन्होंने इस विश्वविद्यालय से जो शिक्षा और ज्ञान ग्रहण किया है उसे इस अंचल के विकास में लगाएं। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक कर समाज को सुसंस्कृत और सभ्य बनाने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि यह विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध समाज सुधारक और सतनाम पंथ के संस्थापक गुरू घासीदास जी के नाम पर स्थापित है। गुरू घासीदास जी ने हमेशा समाज के कमजोर वर्ग के उत्थान के लिये सद्मार्ग सुझाया। उन्होंने कहा कि मानवीय संवेदना के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करने पर जीवन में सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने जीवन में लगातार परिश्रम करें और आगे बढ़कर अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें। साथ ही उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुभाष सरकार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक आशावादी दृष्टिकोण आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायता करता है। शिक्षा आपको इस योग्य बनाती है कि आप अपने जीवन, समाज और देश की समस्याओं को पहचान कर उनका निदान करने में सक्षम हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मददगार साबित होगी।

मंत्रालय में रक्तदान शिविर

सौ से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया रक्तदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सूचना विज्ञान केन्द्र और इंडियन रेड क्रास सोसायटी द्वारा नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में बुधवार को रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर का शुभारंभ सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री डी.डी. सिंह ने रक्तदानकर्ताओं को तिलक लगाकर किया। इस अवसर पर संयुक्त सचिव सामान्य प्रशासन विभाग श्री संजय अग्रवाल एवं राष्ट्रीय सूचना विज्ञान के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मंत्रालय में पहली बार रक्तदान शिविर का आयोजित होने से अधिकारियों-कर्मचारियों में भारी उत्साह देखा गया। मंत्रालय के विभिन्न विभागों के एक सौ से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों ने उत्साह से रक्तदान किया।

भारतीय रेड क्रास सोसायटी के छत्तीसगढ़ ईकाई के राज्य सलाहकार श्री सुदीप श्रीवास्तव ने बताया कि मंत्रालय में विगत अक्टूबर माह में रक्तदान को प्रेरित करने के लिए मोटिवेशनल सेशन का आयोजित किया गया था। इस दौरान मंत्रालय एवं एनआईसी के अधिकारी कर्मचारियों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया था। उन्होंने बताया कि मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारियों ने रक्तदान की इच्छा जताई थी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र नई दिल्ली के उप महानिदेशक और समन्वयक संजय कपूर, राज्य सूचना विज्ञान केन्द्र के अधिकारी डॉ. अशोक कुमार होता, अतिरिक्त राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी एनआईसी मंत्रालय टी.एन. सिंह, पी. रामाराव, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी पी.के. मिश्रा, तकनीकी निदेशक मनीष कोचर, वैज्ञानिक बी. ऋषि राय और श्वेता चौबे शिविर में शामिल हुए। इस दौरान मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारियों का सराहनीय सहयोग रहा।

लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर जनमेजय महोबे की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बाल संरक्षण समिति, राज्य के बच्चों का सीमावर्ती राज्यों में अवैध प्रवास की रोकथाम हेतु गठित जिला स्तरीय मानीटरिंग समिति, जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति, जिला स्तरीय सलाहकार समिति और सखी वन स्टॉप सेंटर संचालन समिति की संयुक्त बैठक आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित हुई।

कलेक्टर ने कहा कि एकीकृत बाल संरक्षण कार्यक्रम व किशोर न्याय अधिनियम तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने जिले के ऐसे घूमंतु बच्चे, बाल श्रमिक तथा जिनका शाला में प्रवेश न हुआ हो उनके पहचान हेतु सघन अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के संबंध में भी चर्चा की गई तथा जिले में एकीकृत बाल संरक्षण पर किए गए कार्यों की समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में किसी भी स्थिति में बाल विवाह न हो। बाल विवाह को हतोत्साहित करने सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से जनजागरूकता लाएँ।

उन्होंने सखी वन स्टॉप सेंटर में दर्ज प्रकरणों तथा निराकृत प्रकरणों की चर्चा की और सखी वन स्टॉप सेंटर हेतु स्वीकृत भवन का कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री सुपोषण योजना के तहत् आंगनबाड़ी केन्द्रों में नियमित रूप से गरम भोजन प्रदाय किया जाए।

अमलीपदर को तहसील का दर्जा मिलने पर क्षेत्रवासियों ने जताया मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज शाम यहां उनके निवास कार्यालय में गरियाबंद जिले के अमलीपदर क्षेत्र से आए जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने अमलीपदर को नवीन तहसील का दर्जा मिलने पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का आभार जताया। क्षेत्रवासियों ने 18 अप्रैल को छत्तीसगढ़ राजपत्र में नवीन तहसील अमलीपदर की अधिसूचना के प्रकाशन पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का भारी उत्साह के साथ गजमाला पहनाकर अभिनन्दन किया। गरियाबंद जिले के अमलीपदर से भारी संख्या में राजधानी रायपुर पहुंचे, वहां के सरपंचगण, जनपद सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व आम नागरिकों ने मुख्यमंत्री को बताया कि अमलीपदर को तहसील बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। पहले राजस्व सम्बंधित कार्यों के लिए यहां के लोगों को 80 से 100 किलोमीटर दूर का सफर तय करके मैनपुर तहसील जाना पड़ता था। अब तहसील बन जाने से लोगों को इन दिक्कतों से निजात मिलेगी। साथ ही क्षेत्र का विकास भी अब दोगुनी गति से होगा। उन्होंने बताया कि नवीन तहसील की अधिसूचना जारी होने से अमलीपदर क्षेत्र के लोगों में हर्ष की लहर है। नागरिकों ने मुख्यमंत्री को अमलीपदर आने न्योता भी दिया। इस अवसर पर सर्वश्री श्रवण सतपथी, सेवन पुजारी, अनुराग वाघे, भीमसेन पांडेय, नारायण दाऊ, त्रिलोकी तिवारी, राकेश कुमार रविंद्र सिंह राजपुरोहित, विकास पांडेय सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ राज्य जैविक प्रमाणीकरण संस्था को मिली जैविक उत्पाद के प्रमाणीकरण की मान्यता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे के विशेष प्रयास के चलते छत्तीसगढ़ के राज्य जैविक प्रमाणीकरण संस्था, रायपुर (सी.जी.ओ.सर्ट.) को जैविक रूप से पैदा किये उत्पाद का पंजीयन करने एवं देश की अधिकृत संस्था से परीक्षण कराकर जैविक उत्पाद के रूप में सर्टिफाईड करने अनुमति कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात प्राधिकरण (अपेडा) से प्राप्त हो गयी है। मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री ने इसके लिए राज्य के किसानों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ जैविक खेती की ओर और तेजी आगे बढ़ेगा।

छत्तीसगढ़ के कृषक अब राज्य जैविक प्रमाणीकरण संस्था में जैविक फसल के रूप में पंजीयन कराकर सर्टिफाईड फसल उपज को अब प्रदेश के बाहर एवं देश के बाहर विक्रय कर सकेंगे। प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ राज्य जैविक प्रमाणीकरण संस्था के अपर संचालक श्री ए.बी. आसना ने बताया कि जैविक उत्पाद के प्रमाणीकरण की मान्यता मिलने से राज्य के किसानों को इसका बहुत लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि विदेश में छत्तीसगढ़ राज्य के सुगंधित चावल, फोर्टिफाईड राईस, कोदो, कुटकी, रागी की डिमांड बढ़ी है। जैविक खेती के माध्यम से उत्पादित सुगंधित चावल, कोदो, कुटकी, रागी का प्रमाणीकरण कराकर यदि विदेशों में इसकी सप्लाई की जाए।

SHRI SAI COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS XI[th] XII[th] B.COM CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

RKMG COMMUNITY
Chhattisgarh: India
We are looking for 15 franchisees in Chhattisgarh for RKMG Community
RKMG Community is in the following business :
1. Advertising.
2. E-Commerce (Selling Products and Services to Our Customers to Solve their problems).
3. Advance technology driven job portal.
4. India's First Social and Professional Media Platform.
5. Giving Franchisee (Helping Indians to earn regularincome through this Model).
6. It's a franchisee and not MLM
Rs. 5000 + GST Franchisee
Please search RKMG Community on any search engine for your understanding.
Pradeep Kumar
Mob. 7828463843, 9424121355

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

हरे कृष्णा S.S.D हरे रामा
firstcare of Kids
Rajendra Choithramani
Mob. 9111830803
न्यू नन्हे उस्ताद
Kids Wear
Specialist of all Kinds of Kid's Wear, Cosmetics, Toys & Many More...
हमारे प्रतिष्ठान में अनुभवी कर्मचारियों की आवश्यकता है
पता : मढ़रिया कामप्लेक्स के सामने, आदर्श नगर, दुर्ग (छ.ग.)

S S MOBILE & ACCESORIES
सबसे कम दाम मे यहां मिलेगा
पुराना दो नया ले जाओ
रिपेयरिंग एवं साफ्टवेयर
सभी प्रकार के रिजार्च किये जाते है
0% फाईनेंस ऑल प्रोडक्टस्
ALL BRANDES MOBILE AVAILABLE
9302390023, 9827817809
Apposite Street no.-2, Kasaridih,Durg

MENS Clothing
A COMPLETE MEN'S FASHION STORE
Shahrukh Quraishy
8818880051
Infront Of National Steel, Maharaja Chowk, Durg (C.G.) 491001
E-mail.:- shahrukhquraishy786@gmail.com

सेल सिर्फ आज
सोफा कम बेड
3X6 ₹ 4999
4X6 ₹ 6700
5X6 ₹ 8400
3X6 ₹ 7500 4X6 ₹ 10000 5X6 ₹ 12500 6X6 ₹ 15000
संजय रुई भंडार
पंडरी, मेन रोड, रायपुर 7987081626 | तेलीबांधा, मेन रोड, रायपुर (छ.ग.) 7223996963

Jeans, Trousers, Shirts, T-shirts, Top, Legis, Suits & All Types of Mens & Ledies Wears
Rock Star
Girls & Mens Wear
Kishan Ahuja
9300628876
Maharja Chowk, opp. Oriental Bank, Borsi,Road, Durg (C.G.)

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
Paul Sir
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

खास खबर

तीन जनसूचना अधिकारी पर पच्चीस-पच्चीस हजार रूपए का अर्थ दण्ड

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त एमके राउत ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का समय पर अनुपालन नहीं करने और समय पर आवेदक को जानकारी उपलब्ध नहीं कराने के कारण तीन जनसूचना अधिकारी को 25-25 हजार रूपए अर्थदण्ड अधिरोपित किया है। मुख्य सूचना आयुक्त राउत ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत महासमुंद को यह भी निर्देश दिए हैं कि जांच कर दोषी पाये जाने पर कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए। उन्होंने जनसूचना अधिकारियों को अधिरोपित राशि तत्काल जमा कर चालान की प्रति आयोग को प्रेषित करने कहा है।

मुख्य सूचना आयुक्त राउत ने कहा है कि सूचना व्यक्ति के जीने और संघर्ष करने की सामर्थ को बढ़ाती है। जो सूचना दे रहा है उसमें सहयोग पारदर्शिता और संयम को विकसित करती है। केन्द्र और राज्य सरकारों के अतिरिक्त पंचायतीराज सरथाएं, स्थानीय शासन तथा गैर-सरकारी संगठन जिन्हें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सरकारी अनुदान प्राप्त होता है, इस कानून में शामिल किया गया है। सरकार के क्रियाकलापों के संबंध में जानकारी के लिए यह अधिनियम मील का पत्थर साबित हो रहा है। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत विनोद दास बसना ने सचिव ग्राम पंचायत (जनसूचना अधिकारी) बिलेमाल जनपद पंचायत पिथौरा जिला महासमुंद को 19 जुलाई 2018 को आवेदन कर एक अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018 तक ग्राम पंचायत बिलेमाल में 14वें वित आयोग के तहत व्यय एवं भुगतान किए गए सभी बिल व्हाउचर और रोकड़ बही की छायाप्रति की जानकारी मांगी थी। किन्तु जनसूचना अधिकारी बिजेमाल ने नियत समय पर आवेदक को कोई जानाकरी उपलबध नहीं कराई, जिससे व्यथित होकर आवेदक ने प्रथम अपील मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पिथौरा 13 सितंबर 2018 को आवेदन किया, जिस पर प्रथम अपीलीय अधिकारी ने 02 नवंबर 2018 को निर्णय दिया। प्रथम अपीलीय अधिकारी के आदेश का पालन जनसूचना अधिकारी ने नहीं किया गया और न ही अपीलार्थी को जानकारी दिया गया।

छत्तीसगढ़ में 289 लोगों ने लगवाई सतर्कता डोज, 15 निजी अस्पतालों को मिली अनुमति

रायपुर (ए)। केंद्र सरकार से अनुमति मिलने के बाद प्रदेश में 10 अप्रैल 2022 से कोरोना से बचाव के लिए 18 से अधिक आयु वर्ग के लोगों को सतर्कता डोज लगाई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, 18 से 59 आयु के 1.70 करोड़ से अधिक लोगों में से 289 ने सतर्कता डोज लगवाई है। राजधानी में 15 निजी अस्पतालों को सतर्कता डोज लगाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अनुमति दी है। यह अस्पताल शुरुआत में टीकाकरण कर रहे थे। हालांकि, लोगों को निजी अस्पतालों में लगवाने पर शुल्क देने होगा।

गौठानों के स्वावलंबी होने से पूरा गांव हो रहा स्वावलंबीः मुख्यमंत्री बघेल

गोधन न्याय योजनाः पशुपालक ग्रामीणों, गोठान समितियों और महिला समूहों को 6.59 करोड़ रूपए का भुगतान

छत्तीसगढ़ की गोधन न्याय योजना की पूरे देश में चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गोधन न्याय योजना के अंतर्गत गोबर खरीदी भुगतान तथा लाभांश वितरण के रूप में पशुपालक ग्रामीणों, गोठान समितियों और महिला समूहों को 6 करोड़ 59 लाख रूपए की राशि का ऑनलाईन भुगतान किया। आज शाम मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आज भुगतान की गई राशि में 29 मार्च से 15 अप्रैल तक गोठान में क्रय किए गए गोबर के एवज में 2 करोड़ 97 लाख रूपए, गोठान समितियों को 2 करोड़ 43 लाख रूपए और महिला समूहों को 1 करोड़ 50 लाख रूपए का लाभांश शामिल है। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के गोधन न्याय योजना को राष्ट्रीय एलेट्स इनोवेशन अवार्ड मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों सहित पशुपालक किसानों, ग्रामीणों, महिलाओं तथा गोठान समितियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि गोधन न्याय योजना की सफलता की चर्चा आज देश के अन्य राज्यों में भी होने लगी है और इस योजना को अपने राज्य में लागू करने के लिए आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोधन न्याय योजना का संचालन राज्य में मिशन मोड में किया जा रहा है। इसके सफल क्रियान्वयन से गौठान तेजी से स्वावलंबी हो रहे हैं। 3 हजार से अधिक गौठान स्वावलंबी हो चुके हैं। यह ग्रामीणों और पशुपालक कृषकों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हमारे गौठानों ने एक मिसाल कायम करते हुए स्वयं की राशि से 13 करोड़ से अधिक राशि का गोबर क्रय किया है। कार्यक्रम को कृषि एवं पशुपालन मंत्री रविन्द्र चौबे ने भी संबोधित किया और राज्य में गोधन न्याय योजना के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन पर पशुपालक ग्रामीणों, गोठान समितियों और महिला समूहों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह एवं सचिव डॉ. एस. भारतीदासन ने पावरपाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से गोधन न्याय योजना के उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गोधन न्याय योजना के तहत गोबर विक्रेताओं को अब तक 136 करोड़ 21 लाख रूपए का भुगतान किया जा चुका है। इसी तरह गोठान समितियों को 58 करोड़ 31 लाख रूपए एवं स्व-सहायता समूहों को 38 करोड़ रूपए 25 लाख रूपए का भुगतान भी किया गया है। गौठानों में महिला समूहों द्वारा बड़े पैमाने पर वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट प्लस एवं अन्य उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। महिला समूह गोबर से खाद के अलावा गोकाष्ठ, दीया, अगरबत्ती, मूर्तियां एवं अन्य सामग्रियों का निर्माण एवं विक्रय कर आय अर्जित कर रही है। राज्य में गोधन न्याय योजना के तहत अब तक स्वीकृत गौठानों 10 हजार 622 में से 8 हजार 397 सक्रिय गौठान है। इनमें पशुपालक ग्रामीणों से अब तक 136 करोड़ रूपए से अधिक की राशि के 68 लाख क्विंटल गोबर की खरीदी हो चुकी है। गोधन न्याय योजना से राज्य में 2 लाख 11 हजार से अधिक ग्रामीण, पशुपालक किसान लाभान्वित हो रहे हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष डॉ. गिरीश देवांगन तथा मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

किसानों को मदद पहुंचाने के मामले में छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी राज्यः रविन्द्र चौबे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत देखने तमिलनाडु राज्य के कावेरी नदी किसान संरक्षण समिति का प्रतिनिधिमंडल छत्तीसगढ़ पहुंचा था। छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय प्रवास के दौरान इस प्रतिनिधि मंडल ने कई इलाकों का दौरा किया और किसानों से मुलाकात की। सुराजी गांव योजना के नरवा, गरूवा, घुरवा और बाड़ी कार्यक्रम के क्रियान्वयन की स्थिति देखी एवं रायपुर के छेरीखेड़ी स्थित मल्टी एक्टिविटी सेंटर सहित कवर्धा जिले में गन्ने की खेती का भी मुआयना किया। तमिलनाडु के किसानों को प्रतिनिधिमंडल ने आज देर शाम छत्तीसगढ़ के कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे के रायपुर स्थित निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की और तमिलनाडु राज्य तथा छत्तीसगढ़ में खेती-किसानी की स्थिति को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे को तमिलनाडु का प्रसिद्ध ब्लैक राईस और ऑर्गेनिक गुड़ भेंट किया।

कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने तमिलनाडु के किसान प्रतिनिधिमंडल में शामिल सभी प्रतिनिधियों को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर उनके छत्तीसगढ़ आने पर प्रसन्नता जताई। कृषि मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य ने बीते तीन वर्षों में खेती-किसानी को समृद्ध और किसानों को खुशहाल बनाने के लिए कई नवाचार किए हैं। यहां कई अभिनव योजनाएं शुरू की गई हैं। किसानों को फसल उत्पादकता एवं फसल विविधीकरण को अपनाने के लिए उन्हें मदद पहुंचाने के मामले छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी राज्य है। यहां के किसानों को धान और गन्ना की सर्वाधिक कीमत मिल रही है। कृषि मंत्री ने इस मौके पर छत्तीसगढ़ सरकार की राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीणों और किसानों की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 7 हजार रूपए की आर्थिक मदद दी जा रही है, जो कि पीएम सम्मान निधि के तहत मिलने वाली राशि से ज्यादा है। तमिलनाडु में भू-जल स्तर की चिंताजनक स्थिति को देखते हुए कृषि मंत्री चौबे ने प्रतिनिधिमंडल को छत्तीसगढ़ सरकार के नरवा विकास कार्यक्रम को वहां अपनाए जाने का सुझाव दिया।

इस अवसर पर कृषि विभाग के सचिव एवं गोधन न्याय मिशन के प्रबंध संचालक डॉ. एस. भारतीदासन ने तमिलनाडु राज्य में कृषि की स्थिति और छत्तीसगढ़ में किसानों की बेहतरी के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी। किसान प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख सुन्दर विमल नाथन ने बताया कि उनके प्रतिनिधिमंडल में तमिलनाडु के अलग-अलग जिलों के किसान प्रतिनिधि शामिल हैं, जो मुख्यतः धान और गन्ना की प्रमुखता से खेती करते हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में किसानों को प्रति टन गन्ना की जो कीमत मिल रही है, वह तमिलनाडु की तुलना में लगभग 6 हजार रूपए अधिक है। श्री नाथन ने बताया कि छत्तीसगढ़ में किसानों को मिल रहे अधिक लाभ को जानने और समझने के उद्देश्य से उनका दल छत्तीसगढ़ के दौरे पर आया है।

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित की ग्यारहवीं वार्षिक साधारण सभा संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित की ग्यारहवीं वार्षिक साधारण सभा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के विवेकानंद सभागार में आज प्राधिकारी विपिन सखाराम साहू की अध्यक्षता एवं प्रबन्ध संचालक छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित व सहायक पंजीयक, सहकारिता की उपस्थिति में आयोजित हुई। माँ सरस्वती के दीप प्रज्जवलन एवं राजगीत के गायन से वार्षिक साधारण सभा प्रारंभ हुई। इसमें 110 दुग्ध सहकारी समितियों के प्रतिनिधि एवं 150 दुग्ध सहकारी समितियों के प्राधिकारी उपस्थित थे।

विपिन सखाराम साहू ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में सभा को यह अवगत कराया कि उनके अल्प कार्यकाल में दुग्ध महासंघ 1.20 करोड़ के शुद्ध लाभ की स्थिति में आई है। विस्तृत चर्चा उपरांत छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित के वर्ष 2020-21 के अंकेक्षित व्यापार खाते, लाभ-हानि खातें, स्थिति विवरण एवं वर्तमान वर्ष 2021-22 के बजट का सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ। कार्यक्रम में सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों द्वारा महासंघ के गत 2 वर्षों से शुद्ध लाभ की स्थिति में रहने पर हर्ष व्यक्त करते हुये इसे और बेहतर बनाने के लिये अपने बहुमूल्य सुझाव दिये।

राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव में बिखरी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की छटा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम साइंस कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव राज्य स्तरीय जनजाति नृत्य महोत्सव के दूसरे दिन भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की छटा बिखरी। संध्याकाल को आज विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

छत्तीसगढ़ के प्रथम शहीद वीर नारायण सिंह पर नाट्य का मनमोहक मंचन किया गया। अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने नाट्य मंचन के सशक्त प्रस्तुति को देखकर मंत्रमुग्ध हुए और उन्होंने मंच पर पहुंचकर कलाकरों का उत्साहवर्धन भी किया। इस अवसर पर सचिव डी.डी. सिंह, आयुक्त सह संचालक आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान शम्मी आबिदी सहित बड़ी संख्या में कलाप्रेमियों ने सांस्कृतिक संध्या का आनंद उठाया।

छत्तीसगढ़ फिल्म एंड विजुअल आर्ट सोसाइटी जनमंच द्वारा शहीद वीर नारायण सिंह के जीवन पर आधारित नाटक वह प्रथम पुरुष का जीवंत नाट्य मंचन किया गया। इस नाटक की शोध परिकल्पना व लेखक डॉ. देवेश दत्त मिश्र एवं निर्देशन रचना मिश्रा द्वारा की गई है। यह नाटक छत्तीसगढ़ के सोनाखान के जमींदार वीर सपूत शहीद वीर नारायण सिंह पर आधारित है। वीर नारायण सिंह किस तरह मुश्किल हालात में अपनी जनता के लिए संघर्ष करते हैं और मातृभूमि की रक्षा के लिए अंग्रेजों से जंग करते हैं, जिसका बखूबी से वर्णन इस नाटक के माध्यम से किया गया। छत्तीसगढ़ की बिंझवार जनजातीय से आने वाले छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी शहीद वीर नारायण सिंह, जिन्हें अंग्रेजी हुकूमत ने 10 दिसम्बर 1857 को रायपुर के जयस्तंभ चौक पर सरेआम फॉसी पर लटका कर सजा-ए मौत दी थी।

नाटक के माध्यम से वीर नारायण सिंह की पूरी संघर्ष गाथा को जीवंत प्रस्तुत किया गया है, दुर्भाग्य है कि भारत में अंग्रेजों के खिलाफ बेहद शुरूआती दौर में ही बगावत का बिगुल बजाने वाले इस आदिवासी जमींदार की वीरगाथा इतिहास के पन्नों में ज्यादा पढ़ने को नहीं मिलती, ऐसे में आज की पीढ़ी को इस नाटक के माध्यम

से इस महान कांन्तिकारी से रूबरू कराना बहुत जरूरी है। साथ ही उस काल में इस क्षेत्र के लोगों ने जो संघर्ष किया उसके बारे में एक समझ बनाने की कोशिश इस नाटक के माध्यम से की गई। छत्तीसगढ़ फिल्म एंड विजुअल आर्ट सोसाइटी जनमंच के कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय के माध्यम से वह प्रथम पुरूष नाटक की जीवंत प्रस्तुति दी।

सांस्कृतिक संध्या में सरगुजा जिले के कडुख नृत्य की प्रस्तुति की गई। यह नृत्य पकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने व धरती माता की पूजा के उपलक्ष्य में उरॉव जनजाति द्वारा किया जाता है। यह नृत्य करमा अखाडा व सरना पूजा स्थल में करमा और सरहुल नृत्य की सामूहिक गायन शैली में ही कुडुख बोली में किया जाता है। सफेद पगड़ी में मयूर पंख लगाकर इस नृत्य को भादो माह एकादशी के अवसर पर किया जाता है। इसके पश्चात बस्तर जिले के गेड़ी नृत्य का मंचन किया गया। इस नृत्य को मुरिया जनजाति के सदस्य नवाखानी त्यौहार के लगभग एक माह पूर्व से गेड़ी निर्माण प्रारंभ कर सावन मास के अमावस्या (हरियाली त्यौहार) से भादों मास की पूर्णिमा तक करते हैं। मुरिया युवक बॉस की गेड़ी में गोल घेरा में अलग-अलग मुद्रा में नृत्य करते हैं। नृत्य के दौरान युवतियों गोल घेरे में गीत गायन करती है। यह नृत्य सामान्यत 18-20 पुरुष सदस्यों द्वारा किया जाता है। गेंड़ी नृत्य नवाखानी त्यौहार विवाह और मेला-मंडई के अवसर पर किया जाता है। इस तरह गेड़ी नृत्य के बाद दन्तेवाड़ा जिले गवरसिंग (गौरसिंग) नृत्य का मंचन किया गया। यह नृत्य माड़िया जनजाति का प्रमुख लोक नृत्य है, जो कि फसल कटाई के पश्चात् मेला-मड़ई. धार्मिक उत्सव व जन्म, विवाह एवं सामान्य अवसरों पर गांव में मनोरंजन के लिए किया जाता है। माड़िया जनजाति के सदस्य नृत्य के दौरान पहने जाने वाले गौर सिंग मुकुट को माडिया समुदाय में वीरता तथा साहस का प्रतीक मानते हैं यह नृत्य महिला एवं पुरुषों का सामूहिक नृत्य है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति के रूप मे गरियाबंद जिले के कमार विवाह नृत्य का मंचन किया गया। यह नृत्य कमार महिला-पुरूषों द्वारा किया जाता है। इस अवसर पर मद्यपान का भी सेवन किया जाता है। यह नृत्य तीर कमान, सुपा एवं टोकनी हाथ में लेकर करते हैं। यह नृत्य कमार जनजाति द्वारा विवाह के अवसर पर किया जाता है। इसके अलावा सुकमा जिले में निवासरत भतरा जनजाति के दल द्वारा डण्डार नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक संध्या में अंतिम प्रस्तुति बलरामपुर जिले के सोन्दो नृत्य किया गया। यह नृत्य पौष माह में सरगुजा अंचल के बलरामपुर क्षेत्र में चेरवा, कोड़ाकू, कोरवा जनजाति निवासरत प्रत्येक ग्रामों में निर्धारित रूप से महिला और पुरुष द्वारा किया जाता है। सोंदो नृत्य का आयोजन ग्राम देवी-देवताओं को प्रसन्न करने के लिए गांव के धार्मिक मुख्या (पुजारी/बैगा) के घर के आंगन में किया जाता है। इस नृत्य में स्त्री-पुरूषों के द्वारा सामान्य वेशभूषा में तीर, धनुष आदि का उपयोग किया जाता है।

इस तरह आज के संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में कुल 06 जनजातीय लोक नृत्य एवं शहीद वीर नारायण सिंह पर आधारित नाटक का मंचन किया गया। समापन का मुख्य आकर्षण 21 अप्रैल को साहित्य महोत्सव के समापन अवसर पर सांस्कृतिक - कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण जनजातीय जीवन पर आधारित काव्य नाट्क 'लमझना' का मंचन किया जाएगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

केजीएफ 2' ने 'बाहुबली' का लाइफटाइम रिकॉर्ड तोड़ा

फिल्म की कामयाबी के बीच यश बोले- पहले लोग मेरे पेरेंट्स के साथ गलत व्यवहार करते थे

साउथ के सुपरस्टार यश इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म 'केजीएफ 2' की सक्सेस सेलिब्रेट कर रहे हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर लगातार रिकॉर्ड्स बना रही है। अब हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में यश ने खुलासा किया है कि पहले लोग उनके पिता के साथ गलत व्यवहार करते थे। लेकिन, अब उनकी फिल्मों की सफलता के बाद लोगों का उनके पिता और फैमिली के साथ व्यवहार चेंज हो गया है।

लोग पहले मेरे माता-पिता के साथ गलत व्यवहार करते थे

फिल्म की सफलता पर बात करते हुए यश ने कहा कि अन्य कारकों के बावजूद, केवल आपके फैंस ही हैं, जो आपसे प्यार करते हैं। वे टिकट खरीदते हैं, सिनेमाघरों में आते हैं, आपको स्क्रीन पर देखते हैं, और फिर चले जाते हैं। वे धर्म, जाति या समुदाय के बारे में नहीं सोचते हैं। यश ने आगे कहा कि पहले उनका परिवार नकली लोगों से घिरा हुआ था, जो फिल्म उद्योग में सफलता और असफलता के पैटर्न पर चर्चा करते हुए केवल अच्छे समय के दौरान उनके साथ रहना चाहते थे।

असफलताओं को कैसे संभालते हैं, इस सवाल पर यश ने कहा कि असफलता व्यावहारिक है। यह बहुत वास्तविक है। यश ने आगे बताया कि वही लोग जो पहले मेरे माता-पिता के साथ गलत व्यवहार करते थे। अब हमारे परिवार के करीबी होने का दावा करते हैं और उनका व्यवहार भी चेंज हो गया है।

'केजीएफ-2' ने 6 दिन में ही 'बाहुबली-1' का लाइफटाइम रिकॉर्ड तोड़ा

मनोबाला विजयबालन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया कि 100 करोड़ रुपए के बजट में बनी 'केजीएफ 2' ने 6 दिन में अब तक 676.80 करोड़ रुपए का ग्रॉस वर्ल्ड वाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है। इसके साथ ही 'केजीएफ 2' 6 दिन में ही प्रभास की 'बाहुबली-1' के लाइफटाइम ग्रॉस (650 करोड़ रुपए) बिजनेस को पीछे छोड़कर अब तक की 8वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली इंडियन फिल्म भी बन गई है।

मनोबाला विजयबालन ने बताया कि 'केजीएफ 2' ने 6वें दिन यानी मंगलवार को 51.68 करोड़ रुपए का ग्रॉस वर्ल्ड वाइड बिजनेस किया है। इससे पहले फिल्म ने 5वें दिन 73.29 करोड़ (सोमवार), चौथे दिन (रविवार) 132.13 करोड़, तीसरे दिन (शनिवार) 115.08 करोड़, दूसरे दिन (शुक्रवार) 139.25 करोड़ और पहले दिन (गुरुवार) 165.37 करोड़ रुपए का वर्ल्ड वाइड बिजनेस किया था।

'केजीएफ-2' के हिंदी वर्जन ने 6 दिन में कमाए 238 करोड़ वहीं तरण आदर्श ने पोस्ट शेयर कर बताया कि 'केजीएफ-2' के हिंदी वर्जन ने इंडिया में सिर्फ6 दिन में ही टोटल 238.70 करोड़ रुपए का बिजनेस कर लिया है। तरण के मुताबिक, फिल्म 7वें दिन यानी बुधवार को 250 करोड़ रुपए से ज्यादा का बिजनेस कर 'बाहुबली-2' के फर्स्ट वीक के कमाई के रिकॉर्ड को तोड़ देगी। इसके साथ ही यह 'केजीएफ-2' हिंदी में सबसे तेज 250 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली पहली फिल्म भी बन जाएगी।

तरण ने बताया कि 'केजीएफ-2' के हिंदी वर्जन ने इंडिया में 6वें दिन 19.14 करोड़ रुपए का बिजनेस किया है। इससे पहले फिल्म हिंदी वर्जन ने 5वें दिन 25.57 करोड़, चौथे दिन 50.35 करोड़, तीसरे दिन 42.90 करोड़, दूसरे दिन 46.79 करोड़ और पहले दिन 53.95 करोड़ रुपए की कमाई की थी।

फैन ने शादी के कार्ड में लिखवाया यश का आइकॉनिक डायलॉग, सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा वेडिंग कार्ड

यश स्टारर केजीएफ-2 को ऑडियंस खूब पसंद कर रही है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हर दिन नए रिकॉर्ड्स बना रही है। फैंस के बीच इस कदर फिल्म का क्रेज बना है कि लोग अपने शादी के कार्ड में यश का आइकॉनिक डायलॉग प्रिंट करवा रहे हैं। दरअसल रॉकी भाई के एक फैन ने अपनी शादी के कार्ड पर 'हिंसा' डयलॉग को शादी के हिसाब से रीक्रिएट किया है। शादी के कार्ड की यह फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है और लोग इसे रॉकी भाई का क्रेज बता रहे हैं।

शादी के कार्ड पर केजीएफ-2 के डायलॉग को किया गया री-क्रिएट

केजीएफ का डायलॉग इस वक्त काफी चर्चा में बना हुआ है, जो है 'हिंसा...हिंसा..हिंसा.. मुझे पसंद नहीं है। मैं इसे नजरअंदाज करता हूं! लेकिन...हिंसा मुझे पसंद करती है और मैं उसे नजरअंदाज नहीं कर सकता'। इस वेडिंग कार्ड को देख लग रहा है कि ये कार्ड 'केजीएफ 2' के किसी फैन ने अपनी शादी के लिए छपवाया है। इस कार्ड की खास बात इस पर लिखा कैप्शन है, जिसे पढ़कर लोगों को हंसी आ रही है।

इस वेडिंग कार्ड के कैप्शन में लिखा है, 'शादी...शादी...शादी। मुझे पसंद नहीं है मैं नजरअंदाज करता हूं, पर मेरे रिश्तेदारों को शादी पसंद है। मैं नजरअदाज नहीं कर सकता'। सोशल मीडिया पर ये वेडिंग कार्ड जबरदस्त वायरल हो रहा है। बता दें इसमें दुल्हा-दुल्हन का नाम, शादी का समय और जगह लिखी है।

फिल्म में यश के साथ श्रीनिधि शेट्टी भी हैं

साल 2018 में रिलीज हुई कन्नड़ फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 1' ने ऑडियंस के दिलों में गहरी छाप छोड़ी थी, जिसके बाद से ही हर किसी को फिल्म के दूसरे चैप्टर का इंतजार था। इस फिल्म को पहले 16 जुलाई साल 2021 को रिलीज किया जाने वाला था, लेकिन कोविड 19 की दूसरी लहर के चलते इसे लगातार टाला जा रहा था। पिछली फिल्म की तरह ही यश और श्रीनिधि शेट्टी इस फिल्म में लीड रोल में हैं।

5 भाषाओं में रिलीज हुई है ये फिल्म

प्रशांत नील के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में यश और श्रीनिधी के अलावा रवीना टंडन और संजय दत्त भी अहम भूमिका निभाते दिखाई देंगे। संजय इस फिल्म में अधीरा का नेगेटिव रोल निभाएंगे। इसे हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलायलम भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है।

एक्टिंग से पहले बैंक में कैशियर का काम करते थे 'एसीपी प्रद्युमन', रामायण के इस किरदार ने बदली किस्मत

टेलीविजन के मशहूर क्राइम शो सीआईडी से घर- घर मशहूर हुए एसीपी प्रद्युमन उर्फ शिवाजी साटम हर साल 21 अप्रैल को अपना जन्मदिन मनाते हैं। शिवाजी यूं तो कई टीवी सीरियल और फिल्मों में नजर आ चुके हैं। लेकिन उन्हें देशभर में लोकप्रियता उनके सीआईडी में दमदार किरदार ने दिलाई। अपने इस शो में जरिए शिवाजी ने काफी शोहरत हासिल की। इस शो में उनके खास अंदाज और गुनहगार को ढूंढने का तरीका आज भी लोगों के जहन में ताजा है। लेकिन शोहरत की यह सीढ़ी चढ़ना अभिनेता के लिए आसान नहीं था। सफलता के इस रास्ते में एक्टर को कई मुश्किलों का भी सामना करना पड़ा।

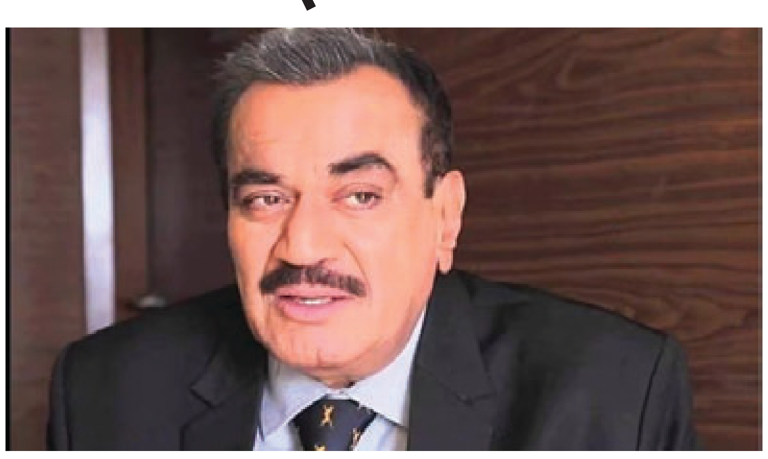

21 अप्रैल, 1950 को महाराष्ट्र के मुंबई के पास स्थित माहिम में जन्में अभिनेता शिवाजी साटम मनोरंजन जगत के काफी पढ़े-लिखे कलाकारों में से एक हैं। उन्होंने फिजिक्स में ग्रेजुएशन की ड्रिग्री हासिल करने के बाद बैंक एडमिनिस्ट्रेशन में डिप्लोमा भी लिया। बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि अभिनय करियर में आने से पहले शिवाजी सरकारी नौकरी में थे।

दरअसल, बैंक एडमिनिस्ट्रेशन में अपना डिप्लोमा पूरा करने के बाद शिवाजी ने बैंकिग को ही अपना करियर चुना। अभिनेता ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में बतौर कैशियर अपनी सेवाएं दीं। लेकिन कहते है ना कि किस्मत से ज्यादा और किस्मत से कम कभी किसी को कुछ नहीं मिलता। एक कैशियर की जिंदगी बिताने से वाले शिवाजी के जीवन में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला।

अपनी सरकारी नौकरी के दौरान शिवाजी साटम की मुलाकात मराठी थियेटर के दिग्गज अभिनेता और रामायण में राजा दशरथ का किरदार निभाने वाले बाल धुरी से हुई। उन्होंने ही शिवाजी को पहला ब्रेक भी दिया था। इसके बाद शिवाजी ने 1988 में पहली हिंदी में 'पेस्टोनजी' से अपना एक्टिंग करियर शुरू किया। इस दौरान उन्होंने सबसे ज्यादा सात बार पुलिस का किरदार निभाया था।

अपने अभिनय करियर के दौरान शिवाजी साटम 'नायक', 'वास्तव', 'गुलाम-ए-मुस्तफा', 'चाइना गेट', 'यशवंत', 'जिस देश में गंगा रहता है', 'हू तू तू' और 'सूर्यवंशम' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। इसके बाद साल 1998 में शिवाजी साटम सीआईडी से जुड़े और अपने दमदार अभिनय के दम पर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। अभिनय के अलावा शिवाजी फिल्में डायरेक्ट और प्रोड्यूस भी करते हैं।

तंबाकू ऐड के लिए अक्षय ने माफी मांगी

एक्टर ने कहा- इससे मिला पैसा नेक काम में लगाउंगा, फैंस के रिस्पांस ने झकझोर दिया

बॉलीवुड सुपर स्टार अक्षय कुमार को अजय देवगन और शाहरुख खान के साथ पान मसाला ब्रांड के विज्ञापन की वजह से काफी ट्रोल किया जा रहा था। अब अक्षय ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस ऐड के लिए माफी मांगी है। बॉलीवुड सुपर स्टार ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक माफीनामा पोस्ट किया है।

मैं तंबाकू का समर्थन नहीं करता

अक्षय कुमार ने माफीनामे में लिखा- मैं अपने सभी फैंस और शुभचिंतकों से माफी मांगना चाहता हूं। बीते कुछ दिनों में आप के रिस्पांस ने मुझे झकझोर दिया। मैं तंबाकू का समर्थन नहीं करता। आप सभी ने जिस तरह विमल इलायची के साथ मेरे जुड़ाव पर अपनी भावनाएं जाहिर की मैं उनका सम्मान करता हूं।

खिलाड़ी कुमार ने आगे लिखा- मैं पूरी विनम्रता के साथ इससे पीछे हटता हूं। मैंने इस विज्ञापन से मिलने वाली सारी रकम को किसी नेक काम में लगाने का फैसला किया है। कानूनी वजहों से इस विज्ञापन को तय वक्त तक प्रसारित करने का कॉन्ट्रैक्ट है। हालांकि, मैं आगे से सावधान रहने का वादा करता हूं।

तंबाकू विज्ञापन को सिद्धांतों के खिलाफ बता चुके हैं

अक्षय ने अपने कई इंटरव्यूज में कहा था कि गुटखा कंपनियां उन्हें करोड़ों के ऑफर देती हैं, लेकिन वे उन्हें स्वीकार नहीं करते। अक्षय कई मौकों पर तंबाकू विज्ञापन को अपने सिद्धांतों के खिलाफ बता चुके हैं। इसलिए उन्हें और ज्यादा आलोचना का सामना करना पड़ रहा था।

अल्लू अर्जुन ने ठुकराया था करोड़ों का ऑफर

बॉलीवुड एक्टर से इतर साउथ से सुपर स्टार अल्लू अर्जुन ने एक तंबाकू कंपनी के विज्ञापन का ऑफर ठुकरा दिया था। इसे लेकर उनकी सोशल मीडिया पर काफी तारीफ हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी ने अल्लू को करोड़ों रुपए का ऑफर दिया था। अल्लू अपने फैंस के बीच किसी भी गलत चीज को प्रमोट नहीं करना चाहते।

पान मसाला का ऐड करने पर ट्रोल हुए थे बिग बी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन भी एक पान मसाला को प्रमोट करते थे। इसे लेकर सोशल मीडिया पर उनकी खूब ट्रोलिंग हुई थी। इसके बाद उन्होंने अपने बर्थडे पर ऐड छोड़ने का ऐलान किया था। उनकी तरफ से कहा गया था, 'जब अमिताभ बच्चन इस ब्रांड से जुड़े थे, तब उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि यह सरोगेट विज्ञापन के अंतर्गत आता है। अमिताभ ने ब्रांड के साथ अनुबंध खत्म कर दिया है और प्रमोशन फीस भी लौटा दी है।

विक्की कौशल ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी, लोगों को पसंद आया एक्टर का खास अंदाज

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल को इंडस्ट्री के प्रतिभावान कलाकारों में गिना जाता है। फिल्म उरी द सर्जिकल स्ट्राइक की सफलता के बाद उनकी फैन फॉलोइंग में जबरदस्त इजाफा देखने को मिला है। सोशल मीडिया पर विक्की काफी एक्टिव रहते हैं। उनके फैंस को भी उनकी फोटोज और वीडियोज का बेसब्री से इंतजार रहता है। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैंस के साथ एक वीडियो साझा किया है जो काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में विक्की का खास अंदाज देखकर फैंस काफी खुश हैं और उनकी जमकर तारीफ भी कर रहे हैं।

दरअसल, वीडियो में विक्की गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में हर हर गंगे लिखा है। फैंस को विक्की का यह अंदाज काफी पसंद आ रहा है। इस वीडियो क्लिप पर अब तक 1.1 मिलियन लाइक्स और 4000 से ज्यादा कमेंट आ चुके हैं। एक फैन ने वीडियो पर रिएक्ट करते हुए लिखा, 'रोज रोज कैसे दिल आ जाता है तुम पर।' वहीं एक फैन ने लिखा, 'विक्की जैसा कोई पूरे बॉलीवुड में नहीं है, विक्की सर यू आर द बेस्ट।'

पिछले साल कर ली थी शादी

विक्की कौशल और कटरीना कैफ ने पिछले साल 9 दिसंबर को शादी की। इस शादी में कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत की थी। यह शादी सवाई माधोपुर के एक होटल में हुई थी। बता दें कि दो साल तक एक दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने हमेशा के लिए एकदूजे के होने का फैसला किया था।

वर्कफ्रंट की बात करें तो विक्की जल्द ही गोविंदा नाम मेरा फिल्म में नजर आने वाले हैं। उन्हें आखिरी बार फिल्म सरदार उधम में देखा गया था। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। फिल्म में विक्की की एक्टिंग को काफी तारीफ मिली थी। सरदार उधम का निर्देशन पीकू फेम शूजित सरकार ने किया था।

बॉलीवुड में दस साल पूरे होने पर आयुष्मान खुराना ने शेयर की पोस्ट, खास अंदाज में कहा निर्देशक शूजीत सरकार का शुक्रिया

अच्छे अभिनेता होने के साथ ही आयुष्मान एक अच्छे गायक भी हैं, उन्होंने अभिनय में तो सिक्का जमाया ही है साथ ही एक से बढ़कर एक गाने भी गाए हैं। बॉलीवुड इंडस्ट्री आयुष्मान खुराना को लीक से हटकर विषयों में पर फिल्में करने के लिए जाना जाता है। वह अपनी फिल्मों के जरिए समाज में एक अच्छा संदेश लेकर आते हैं। आज इस मल्टी टैलेंटेड अभिनेता ने बॉलीवुड में अपने दस साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर आयुष्मान खुराना ने पोस्ट शेयर कर अपनी जर्नी के बारे में कई बातें शेयर की हैं।

बॉलीवुड इंडस्ट्री में दस साल पूरे होने पर आयुष्मान खुराना ने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी पहली फिल्म की रिहर्सल के दौरान का एक दृश्य शेयर किया है। इस तस्वीर में उनके साथ निर्देशक शूजीत सरकार भी दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि आयुष्मान खुराना ने फिल्म विकी डोनर से अपने अभिनय की शुरूआत की थी और इसके निर्देशक शुजीत सरकार थे। अपनी पहली ही फिल्म से आयुष्मान ने लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बना ली थी।

पोस्ट शेयर कर लिखी ये बात

इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, पहला दिन, पहला दृश्य, रिहर्सल शॉट! पहले से ही 10 साल हो गए हैं?! मेरी ओर उमड़ती यादों का सैलाब, मेरे संघर्ष के दिनों, हताशा, दृढ़ संकल्प, छोटी-छोटी खुशियों और बड़ी सफलताओं की याद दिलाता है। मेरे गुरु शूजीत सरकार दा, रॉनी लहिरी और जॉन अब्राहम को धन्यवाद, मेरे जैसे धोखेबाज पर भरोसा करने और मुझे विश्वास दिलाने के लिए कि मैं एक हिंदी फिल्म का हीरो बन सकता हूं।

अभिनेत्री यामी गौतम ने भी फिल्म विकी डोनर से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था और इस खास मौके पर उन्होंने भी पोस्ट शेयर की है। यामी ने अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'वह जगह जहां यह सब शुरू हुआ! विक्की डोनर के ऑडिशन के लिए मेरी यात्रा यहीं से शुरू हुई! यह सोफा भी यहां था! हाल ही में इस स्टूडियो की एक यात्रा ने मुझे स्मृति में ले लिया, यात्रा के दौरान कई खूबसूरत पलों को याद किया! धन्यवाद, शूजीत दा और हमारी पूरी टीम।

द कपिल शर्मा शोः अजय देवगन ने उड़ाया कपिल का मजाक, बोले- तू ढंग के कपड़े नहीं पहनता

अजय देवगन हाल ही में द कपिल शर्मा शो के सेट पर अपनी अपकमिंग फिल्म 'रनवे 34' के प्रमोशन के लिए पहुंचे। अपकमिंग एपिसोड के प्रोमो में कपिल अजय की टांग खींचते हुए पूछते हैं, मैंने सूट में देखा तो मुझे लगा सर ने बैंक तो जॉइन नहीं कर लिया। जिस पर अजय ने जवाब देते हुए कहा, तू तो ढंग के कपड़े पहनता नहीं हैं तो मैंने सोचा शो को थोड़ा उठाने के लिए मैं ही पहन लूं। कपिल के शो पर अजय के साथ रकुल प्रीत सिंह, अंगिरा धर और आकांक्षा सिंह भी पहुंची। अजय की यह फिल्म 29 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म में अमिताभ बच्चन भी लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है। अजय ने फिल्म में एक्टिंग के साथ इसका डायरेक्शन भी किया है।

कलश ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषण
के निर्माता एवं विक्रेता
हमारे यहां उचित ब्याज पर
गिरवी रखी जाती है।
देवांगन होटल के बाजू में, मुक्तिधाम रोड,
रामनगर, भिलाई, जिला-दुर्ग
9074621825

भोलू मोबाईल रिपेयरिंग एवं साफ्टवेयर
सभी प्रकार के मोबाईल रिपेयरिंग किया जाता है

(All IC Work)
मो. - 87199 99358
9131918132
शॉप नं.-148, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

धान के बदले अन्य वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने योजनाबद्ध कार्य करें - कलेक्टर

बालोद। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने कहा कि आगामी खरीफ सीजन में धान के बदले अन्य वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने योजनाबद्ध कार्य करें। महोबे आज नवीन टाउन हॉल में कृषि और सहकारिता विभाग के अधिकारियों की आयोजित बैठक में निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि धान के बदले अन्य वैकल्पिक फसलों के लिए शासन से प्राप्त लक्ष्य को आपसी समन्वय से पूरा करें। कलेक्टर ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना की जानकारी दी और कहा कि किसानों को धान के बदले गन्ना, अरहर, कोदो, कुटकी, रागी, मक्का, दलहन, तिलहन, सुगंधित धान, केला, पपीता आदि फसल लगाने प्रोत्साहित करें। उन्होंने वर्मी कम्पोस्ट तथा रासायनिक उर्वरक के भंडारण और उठाव की जानकारी ली और निर्देशित किया कि निर्धारित समय तक वर्मी कम्पोस्ट तथा रासायनिक उर्वरक का अग्रिम उठाव सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई भी लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। कलेक्टर ने कहा कि गौठानों में शीघ्र ही शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने गोधन न्याय योजना के अंतर्गत खरीदे गए गोबर से उत्पादित वर्मी कम्पोस्ट का शतप्रतिशत उठाव के निर्देश दिए। उन्होंने गौठानों में आजीविका संबंधी गतिविधियों के लिए स्वसहायता समूह की सदस्यों को प्रशिक्षण व मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए।

लू लगने के लक्षण एवं बचाव के उपाय

गरियाबंद। ग्रीष्म ऋतु के मौसम में तापमान में वृद्धि के चलते अप्रैल से जून माह के दौरान भीषण गर्मी पड़ने तथा लू चलने की संभावना है। जिससे आम जनजीवन व स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। जिसे देखते हुए कलेक्टर नम्रता गांधी ने जिलेवासियों से आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय करने की अपील की है। वही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एन.आर. नवरत्न ने बताया कि गर्मियों में लू लगने की समस्या आम है। अंग्रेजी मे इसे हीट स्ट्रोक और सनस्ट्रोक के नाम से जाना जाता है। जब तापमान चरम पर होता है और गर्म हवा के झोकें चलते हैं तब लू लग सकती है, इसमें हमारे शरीर के द्रव सूखने लगते है, जिससे पानी और नमक की कमी हो जाती है और लू लगने का खतरा उत्पन्न हो जाता है। लू लगने पर शरीर में गर्माहट और थकावट महसूस होने लगती है लू लगने के कारण कई और मामूली बीमारियां जैसे की हीट एडेमा, शरीर का सूजना, हीट रैशेस ,हीट क्रैम्प्स, शरीर में अकड़न और बेहोशी आदि भी हो सकती है। सेंट्रल नर्वस सिस्टम में जटिलताओं के पेश आने पर लू लगना कहते है।

पीएम ने गांधीनगर में ग्लोबल आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन का किया उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली(पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस घेब्रेयसस उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, सर्बानंद सोनोवाल, मुंजपारा महेन्द्रभाई और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल उपस्थित थे। तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन में लगभग 90 प्रख्यात वक्ताओं और 100 प्रदर्शकों की उपस्थिति के साथ 5 पूर्ण सत्र, 8 गोलमेज सम्मेलन, 6 कार्यशालाएं और 2 संगोष्ठियां आयोजित की जाएंगी। यह शिखर सम्मेलन निवेश क्षमता को उजागर करने में मदद करेगा, और नवोन्मेष, अनुसंधान और विकास, स्टार्ट-अप इकोसिस्टम और वेलनेस इंडस्ट्री को बढ़ावा देगा। यह उद्योगपतियों, शिक्षाविदों और विद्वानों को एक साथ लाने में मदद करेगा और भविष्य के सहयोग के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा। डॉ. टेड्रोस घेब्रेयसस ने महात्मा गांधी के राज्य और देश में उपस्थित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की, जिसे उन्होंने विश्व का गौरव कहा। उन्होंने कहा कि भारत का वसुधैव कुटुम्बकम का दर्शन जामनगर में कल डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (जीसीटीएम) के शुभारंभ के पीछे प्रेरणा की शक्ति है। उन्होंने कहा कि केन्द्र की स्थापना ऐतिहासिक है और यह बहुत बड़ा बदलाव लाएगा। उन्होंने बताया कि केन्द्र को साक्ष्य, डेटा और स्थिरता तथा पारम्परिक चिकित्सा के अधिकतम उपयोग के एजेंडा को बढ़ावा देने के लिए नवाचार के इंजन के रूप में तैयार किया गया है। महानिदेशक ने सार्वजनिक स्वास्थ्य में नवोन्मेष की शक्ति उपयोग में लाने के लिए प्रधानमंत्री और भारत सरकार की सराहना की। उन्होंने भारतीय अस्पतालों में डेटा और एकीकृत सूचना साझा करने की प्रणालियों के उपयोग की सराहना की। उन्होंने पारम्परिक चिकित्सा में अनुसंधान के लिए डेटा संग्रह की भावना को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय की प्रशंसा की। आयुष उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग और निवेश को देखते हुए महानिदेशक ने कहा कि पूरी दुनिया भारत आ रही है और भारत पूरी दुनिया में जा रहा है। उन्होंने सामान्य रूप से स्वास्थ्य और विशेष रूप से परम्परागत औषधियों में नवोन्मेष इकोसिस्टम में दीर्घकालिक निवेश; नवोन्मेषकों, उद्योग और सरकार द्वारा पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ और उचित तरीके से पारम्परिक दवाएं विकसित करना व उन समुदायों के हितों की रक्षा करना जिन्होंने इन परम्पराओं को विकसित किया है उन्हें भी इन औषधियों के बाजार में आने पर लाभ देने पर जोर दिया, इसमें बौद्धिक संपदा के लाभ को साझा करना भी शामिल है। महानिदेशक ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए समापन किया। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा, इस महत्वपूर्ण पहल की हिमायत करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे विश्वास है कि न केवल केन्द्र बल्कि आपकी हिमायत पारम्परिक दवाओं के उपयोग में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी, उन्होंने पारम्परिक चिकित्सा के प्रति प्रतिबद्धता के लिए मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ की भी प्रशंसा की। उन्होंने आजादी का अमृत महोत्सव के वर्ष में डब्ल्यूएचओ के 75 वर्ष पूरे होने के सुखद संयोग का भी उल्लेख किया। प्रविंद कुमार जगन्नाथ ने पारम्परिक चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान के लिए भारत और गुजरात की प्रशंसा की। उन्होंने अपने देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत के समर्थन का भी उल्लेख किया। भारत के साथ समान वंशावली को देखते हुए मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने अपने देश में आयुर्वेद को दिए गए।

देश-विदेश के पर्यटकों के अनुरूप हो पर्यटन स्थलों में बुनियादी सुविधाएंः भूपेश बघेल

पर्यटन स्थलों के समीप स्थानीय लोगों के आजीविका के लिए अवसर उपलब्ध कराया जाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने राज्य में पर्यटन की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए देश-विदेश के पर्यटकों के दृष्टिकोण से पर्यटन स्थलों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। उन्होने पर्यटन स्थलों के समीप स्थानीय लोगों के लिए आजीविका के लिए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा मे भी कार्य करने के निर्देश अधिकारियो को दिए।

उन्होंने राज्य में जल पर्यटन विकसित करने चिन्हाकिंत जलाशयों में क्रूजबोट, मोटरबोट, हाउसबोट, और वॉटर पार्क जैसी सुविधाएं बढ़ाये जाने पर बल दिया। श्री बघेल ने ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व के धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन के लिए भी कार्य योजना तैयार करने के भी निर्देश अधिकारियो को दिए।

मंगलवार को अपने निवास कार्यलय में छत्तीसगढ़ में पर्यटन की संभावनाएं को लेकर विभागीय समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि पर्यटन स्थलों पर प्रदेश, देश और विदेश के प्रर्यटको के हिसाब से सुविधाएं विकसित हो। पर्यटन स्थलों के समीप उपलब्ध जलाशयों में बोटिंग सुविधा उपलब्ध हो, ऐसे स्थानों को चिन्हाकिंत कर आइलैण्ड के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने कोरबा के सतरेंगा, बिलासपुर के खूंटाघाट, धमतरी के गंगरेल बांध और हसदेव बांगो के मीनीमाता बांध में क्रूज बोटिंग व वाटर पार्क जैसी सुविधाएं विकसित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि पर्यटकों की समुचित सुरक्षा के लिउ उच्च गुणवत्ता युक्त सीसीटीव्ही कैमरा स्थापित हो। होम-स्टे, बजट होटल हेतु निजी भागीदारी का प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि जल पर्यटन एवं क्रूज टूरिज्म विकसित की जाए। निजी निवेशको के माध्यम से जल पर्यटन को विकसित करने क्रूज बोट, मोटर बोट, हाउसबोट आदि विकसित किया जाए।

बैठक पर्यटन विभाग के सचिव श्री अरन्बलगन पी. ने बताया कि स्वदेश योजना के तहत 96 करोड़ 10 लाख रूपए की लागत से प्रथम फेस का काम लगभग पूर्ण कर लिया गया है। योजना के तहत ट्रायबल टूरिज्म सर्किट विकसित किया जा रहा है। ट्रायबल टूरिज्म सर्किट के अंतर्गत जशपुर, कुनकुरी, कमलेश्वर, मैनपाट, महेशपुर, कुरदर, सरोधा दादर, गंगरेल, नथियानवागांव, कोण्डागांव, जगदलपुर, चित्रकोट और तीरथगढ़ को शामिल किया गया है। स्वदेश दर्शन-टू के तहत 'इको टूरिज्म सर्किट'का कांसेप्ट तैयार कर लिया गया है। इस सर्किट में चिल्फी घाटी, अचानकमार-अमरकंटक घाटी एवं हसदेव बांगो डैम के सीमावर्ती क्षेत्र को शामिल किया गया है इसकी प्रस्तावित लागत 81 करोड़ 26 लाख रूपए है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रशाद योजना के तहत ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थल सिरपुर को बुद्धिष्ट सर्किट थीम के रूप में विकसित किए जाने योजना पर कार्य किया जा रहा है। आर्किटेक्ट द्वारा स्थल निरीक्षण कर कांसेप्ट प्लान तैया कर लिया गया है। इसके लिए 65 करोड़ 60 लाख रूपए की लागत से परियोना तैया कर ली गई है। सूरजपुर जिले के कुदरगढ़ को प्रसाद योजना के तहत विकसित करने की योजना तैयार कर ली गई है। इसकी लागत 45 करोड़ 69 लाख रूपए है।

मिला मंच तो अपनी रचनात्मकता को दे रहे आकार

जनजातीय साहित्य महोत्सव के दौरान कैनवास और जमीन पर रंगों की कलाकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव का आयोजन हो रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित इस महोत्सव में जनजातीय विषयों के विशेषज्ञ, शोधार्थी, अध्येता, साहित्यकार शिरकत कर रहे हैं। वहीं चित्रकार, रंगोली कलाकार, रजवार और गोदना कला के माहिर कलाकार अपनी प्रतिभा को कैनवास, जमीन, कार्डबोर्ड और कपड़ों पर उकेर रहे हैं। इन कलाकारों में से अधिकतर अपनी कलाकृति में जनजातीय संस्कृति को दिखाने का प्रयास कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की ओर से आयोजित राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सन में रंगों की एक अलग दुनिया भी लोगों के सामने प्रदर्शित हो रही है। यहां कैनवास पर कोई जनजातीय महिला-पुरुष की चेहरे को जीवंत रूप से उकेर रहा है, तो कोई आदिवासी नृत्य शैलियों को दिखाने का प्रयास कर रहा है। जनजातीय आभूषण, खान-पान,

जीवनशैली, रहवास, बस्तर और सरगुजा की मनोरम प्रकृति से लेकर टाइगर ब्वॉय चेंदरू और क्रांति के महानायक वीर गुंडाधुर, शहीद वीर नारायण सिंह जैसे महानायकों को भी तस्वीरों और रंगोली में उकेरा जा रहा है।

जनजातीय साहित्य महोत्सव के दौरान महासमुंद से आए सुशांत कुमार सिदार कैनवास पर रंग से एक तस्वीर को आकार देते वारली बना रहे थे। उन्होंने बताया कि वारली में मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ की संस्कृति को दिखाया जाता है। इसमें कैनवास को रंगने के लिए लाल, काला और सफेद रंग का उपयोग अन्य रंगों की अपेक्षा अधिक होता है। सुशांत अपना करियर चित्रकारी में ही बनाना चाहते हैं। ऐसे में इस तरह के आयोजनों में मंच मिलने पर खुशी जताते हुए सुशांत सिदार कहते हैं कि यह मंच कलाकारों को प्रोत्साहित करने का काम कर रहा है। इस आयोजन के लिए उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

इसी तरह रायपुर की दुर्गा साहू यहां पोट्रेट बनाती नजर आयीं। दुर्गा साहू ने बताया कि उन्होंने यू-ट्यूब से देखकर पेंटिंग बनाना सीखा है। अब भी अपनी पेंटिंग कला को निखारने की कोशिश कर रही हैं। दुर्गा पेंटिंग में ही करियर बनाना चाहती हैं। इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय से फाइन आर्ट्स से पीजी कर रहे अभिलाष देवांगन महोत्सव में पेंटिंग बना रहे हैं। अभिलाष अपनी प्रतिभा को लोगों तक पहुंचाने के लिए जनजातीय साहित्य महोत्सव को बड़ा मंच मान रहे हैं।

कांकेर के पंचायत सचिवालय ने मिटायी ग्रामीणों और प्रशासन के बीच की दूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कांकेर जिले को डिजिटल गवर्नेंस पर उत्कृष्ट कार्य हेतु राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित 'इलेट्स इनोवेशन अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। कांकेर कलेक्टर चन्दन कुमार ने बताया कि दिल्ली में आयोजित आत्म निर्भर भारत सम्मिट में उक्त श्इलेट्स इनोवेशन अवार्ड' डिजिटल गवर्नेंस श्रेणी के तहत कांकेर पंचायत सचिवालय परियोजना के लिए प्रदान किया गया है ।

'कांकेर पंचायत सचिवालय' के माध्यम से, कांकेर के जिला प्रशासन ने प्रौद्योगिकी के अभिनव उपयोग के माध्यम से शासन प्रदान करने के प्रयास किए हैं, और नागरिकों की शिकायतों का निवारण किया है और यह सुनिश्चित किया है कि विकास योजनाएं जिले के दूरस्थ कोनों तक पहुंचें और आगे बढ़ें। हमारा इरादा वास्तव में आत्मा निर्भार बनने का है।

उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन कांकेर द्वारा माह जुलाई 2021 से ग्रामीण सचिवालय को सक्रिय किया गया । जिले के सभी ग्राम पंचायतों में नियमित रूप से निर्धारित दिवस को ''पंचायत सचिवालय'' आयोजन किया जाता है। पंचायत सचिवालय में जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु पंजीयन, विवाह पंजीयन, अविवादित नामान्तरण, पेंशन, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन का बैंक सखियों के द्वारा मौके पर ही वितरण, नये पेंशन प्रकरणों की स्वीकृति, गांव में हैण्डपम्प, बिजली से संबंधित शिकायतों का निराकरण, ग्राम पंचायत में मनरेगा के कार्य एवं अन्य निर्माण कार्यों के मांगो का निराकरण, मनरेगा मजदूरी भुगतान का निराकरण, नये राशन कार्ड बनाना, राशन कार्ड में नये नामों को जोड़ना इत्यादि कार्य संपादित किये जाते हैं, साथ ही शासन की योजनाओं की जानकारी एवं उससे संबंधित हितग्राहियों का चयन भी ग्रामीण सचिवालय में किया जा रहा है।

जिला प्रशासन द्वारा सभी ग्रामीण सचिवालय के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये हैं, जिनके द्वारा सतत् रूप से मॉनिटरिंग किया जाता है। संबंधित क्षेत्र के मैदानी स्तर के अधिकारी-कर्मचारी भी ग्रामीण सचिवालय में उपस्थित रहते हैं। सचिवालय में प्राप्त आवेदनों का मौके पर निराकरण किया जाता हैकि। ऐसे आवेदन जिनका निराकरण ग्रामीण सचिवालय स्तर पर नहीं किया जा सकता उन्हें ''पंचायत सचिवालय मोबाईल एप्लिकेशन एप'' में एन्ट्री कर संबंधित विभाग को निराकरण के लिए प्रेषित किया जाता है।

'मोर बालवाड़ी' कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

बच्चों को स्थानीय भाषा में सीखने को मिले पर्याप्त अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा घोषित 5-6 आयु वर्ग के बच्चों के लिए बालवाड़ी योजना के क्रियान्वयन हेतु दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला के दूसरे दिन आज एससीईआरटी में देश के विभिन्न प्रांतो से आये प्रतिष्ठित शिक्षाविदों ने शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह एवं संचालक एससीईआरटी श्री राजेश सिंह राणा के नेतृत्व में 'मोर बालवाड़ी' को लेकर अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने राज्य में बालवाड़ी के क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

विशेषज्ञों ने सुझाव दिए कि योजना की समीक्षा और सुधार के लिए प्रथम वर्ष में तीन-तीन माह की सामग्री बनाकर जारी किया जाना चाहिए। नियमित शिक्षा की श्रृंखला बनी रहे इसके लिए बालवाड़ी के लिए चयनित शिक्षक द्वारा ही कक्षा पहली एवं दूसरी में भी पढ़ाया जाए। बच्चों को उनकी स्थानीय भाषा में सीखने के पर्याप्त अवसर दिए जाए। इसके लिए स्थानीय स्तर पर सामग्री विकसित करने हेतु संसाधन तैयार किए जाए। बालवाडी कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और घर-घर दस्तक देकर पांच वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को प्रवेश दिलवाया जाए। माताओं का उन्मुखीकरण कर लीडर माताओं को अन्य माताओं को संगठित करने एवं उन्हें घर में एवं स्कूल में सीखने के अवसर दिए जाए। समुदाय से पढ़े-लिखे व्यक्तियों को सिखाने में सहयोग की जिम्मेदारी दी जाए। बालवाडी की मानिटरिंग हेतु एक अलग कैडर बनाया जाए और उनके माध्यम से सतत समर्थन देना सुनिश्चित किया जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग के सुपरवाइजर को भी बालवाडी की मानिटरिंग की जिम्मेदारी दी जाए। बालवाडी में प्रिंट-रिच वातावरण तैयार कर सीखने का बेहतर माहौल बनाया जाए। बालवाड़ी में एक

फ्रीडम वाल हो जिसमें बच्चों को अपने मन से कुछ भी चित्र बनाने एवं लिखने का अवसर दिया जाए। आंगनबाडी एवं बालवाड़ी के शिक्षकों के लिए उनकी भूमिका का निर्धारण करना होगा। बालवाड़ी और प्राथमिक शाला के शिक्षक प्रति सप्ताह मिलकर आगामी सप्ताह के गतिविधियों पर चर्चा करें।

इसके पूर्व विचार मंथन के दौरान निदेशक सीएलआर श्री चितरंजन कॉल ने कहा की मोर बालवाड़ी की पहल में 5-6 आयु वर्ग की तरह 3-4 एवं 4-5 आयु वर्ग के बच्चों को भी शामिल करना चाहिए। यूनिसेफ की श्रीमती सुनिशा आहूजा ने कहा की मोर बालवाड़ी के सफल संचालन हेतु राज्य को शुरू से इस कार्यक्रम बेहतर प्रचार-प्रसार पर ध्यान देना होगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा बच्चे इस कार्यक्रम से लाभान्वित हो पाए।

YOGESH COMPUTER Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

GREEN COMPUTER
Sales, Services, Repairs
Laptop Repairing
Printer
Desktop
7/2, Dakshin Gangotri, Supela, Bhilai
0788-4083385

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

SAIRAM Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI, Oppo, Vivo, Nokia, HTC, Blue tooth Charger, Power Bank, Ear Phone, BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

चाकू से जानलेवा हमला करने का आरोपी गिरफ्तार

रायपुर(ए)। रायपुर के गोलबाजार क्षेत्र में मामूली विवाद पर दुकानदार पर जानलेवा हमला करने के आरोपित सरफराज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था। गोलबाजार थाने में पीड़ित मो. दाउद खान ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। दाउद खान का फूलचौक नयापारा के पास प्रिंटिंग प्रेस है। 12 अप्रैल को दाउद खान के एक ग्राहक ने सरफराज के घर के सामने गाड़ी खड़ी कर दी। सरफराज इसे लेकर ग्राहक से विवाद करने लगा। दाउद खान ने हस्तक्षेप किया तो सरफराज ने आक्रोशित होकर चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया। गंभीररूप से घायल सरफराज को अस्पताल में भर्ती कराया गया। चाकू मारक सरफराज फरार हो गया था, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई थी।

कटोरा तालाब मार्ग से अवैध कब्जा हटा

रायपुर(ए)। नगर निगम जोन क्रमांक चार की नगर निवेश विभाग की टीम ने बुधवार को सिविल लाइन वार्ड के कटोरा तालाब मार्ग में अभियान चलाकर वहां अवैध कब्जा कर ठेले लगाने वालों पर कार्रवाई की। दरअसल निगम आयुक्त प्रभात मलिक को लगातार शिकायत मिल रही थी कि कटोरा तालाब मार्ग पर ठेले लगने के कारण लोगों को आने-जाने में असुविधा हो रही है।शिकायत को गंभीरता से लेते हुए टीम को कार्रवाई करने कहा गया। इसके बाद सुगम यातायात व्यवस्था बनाने के लिए तत्काल ठेले,खोमचे वालों को खदेड़ा गया। अधिकारियों ने बताया कि मुख्य मार्ग को कब्जा मुक्त करवाने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगा।

रायपुर में उरला थाना क्षेत्र के एक होटल में ताला तोड़कर लाखों रुपये की चोरी

रायपुर(ए)। रायपुर के उरला थाना क्षेत्र के एक होटल में चोरी की वारदात हुई है। चोर होटल के एक गेट में लगे ताले को तोड़कर एक लाख 35 हजार रुपये नकदी चुरा ले गया। उरला थाने में होटल कारोबारी शैलेंद्र साहू ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। प्रार्थी 15 अप्रैल को रात 10 बजे होटल बंद कर चला गया था। दूसरे दिन सुबह छह बजे आया तो होटल के बगल वाले गेट का ताला टूटा हुआ था। अंदर रखी आलमारी का लाक भी टूटा हुआ था। अंदर रखी नकदी रकम एक लाख 35 हजार रुपये कोई अज्ञात चोर चुरा ले गया।

अधिवक्ता का मोबाइल पार

रायपुर(ए)। शास्त्री बाजार खरीददारी करने गए एक अधिवक्ता का मोबाइल चोरी हो गया। गोलबाजार पुलिस के अनुसार, अधिवक्ता दीपक कुमार वासवानी सब्जी खरीदने के लिए शास्त्री बाजार गए थे। इस दौरान किसी ने जेब से उनका मोबाइल पार कर दिया।

तलवार लहराकर धमका रहा नाबालिग गिरफ्तार

रायपुर(ए)। रायपुर के तेलीबांधा थाना पुलिस ने एक नाबालिग को तलवार लहराते पकड़ा है। वह सरेराह तलवार लहराकर लोगों को धमका रहा था। पुलिस ने इंदिरा चौक के पास उसे घेराबंदी कर पकड़ा। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत अपराध कायम कर अग्रिम कार्रवाई की गई है।

पुलिस ने सुलझाई हत्या की गुत्थी

भतीजी से बात करते देखा तो दोस्तों के साथ मिलकर कर दी हत्या

दुर्ग। दुर्ग कोतवाली पुलिस ने बुधवार को शिवपारा निवासी 19 वर्षीय प्रकाश उर्फ समोसा ठाकुर की हत्या की गुत्थी सुलझा ली। हत्या उसी के तीन दोस्त बलदाऊ उर्फ हर्ष सारथी, लल्लन सारथी और मीर सारथी ने मिलकर की थी। तीनों मठपारा के रहने वाले हैं। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें रिमांड पर जेल भेज दिया गया। आरोपी मृतक प्रकाश को हनुमान मंदिर से टप्पा तालाब के पास ले गए। जहां उसे धक्का देकर पहले गिरा दिया। इसके बाद उसके गले की चेन को खींचकर हत्या कर दी।

चेन खींचने से प्रकाश का दाम घुट गया और उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद मृतक का शव तालाब में फेंक दिया गया था। बाद में पुलिस ने शव को जब्त किया। मामले में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। आसपास के लोगों से मृतक के दोस्तों से जुड़ी जानकारी ली। लोगों ने बताया कि मृतक को अंतिम बार आरोपियों के साथ देखा गया था। पुलिस आरोपियों तक पहुंची। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

तालाब में फेंका शव, पूछताछ में हुआ खुलासा

शव को तालाब में फेंकने के बाद आरोपी घर जाकर सो गए। एएसपी संजय ध्रुव ने बताया कि हत्या सोमवार की रात करीब 2 से 3 बजे के बीच हुई। रात करीब 11 बजे प्रकाश अपने दोस्त बलदाऊ के मोहल्ले में घूमने आया था। उसे अपनी भतीजी के साथ बातचीत करते देखने पर नाराजगी भी व्यक्त की।

इस पर प्रकाश ने उससे विवाद करना शुरू कर दिया। मामूली झगड़े के बाद प्रकाश वहां से चला गया। जहां पर प्रकाश ने विवाद किया था, उस घर में शादी हो रही थी। समझाने पर भी नहीं मानने पर हत्या की प्लानिंग की गई।

शादी समारोह से युवकों को हिरासत में लिया

पुलिस ने बताया कि घटना की रात करीब 2 बजे प्रकाश हनुमान मंदिर के पास बैठा हुआ था। आरोपी प्रकाश को लेकर तालाब के पास गए और उसकी हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक जांच के दौरान शादी वाले घर से दोस्तों में विवाद की जानकारी मिली थी।

पूछताछ के कारण रात करीब 3.30 बजे तक वैवाहिक कार्यक्रम बाधित रहा। पुलिस ने संदेह के आधार पर शादी समारोह में शामिल कुछ युवकों को पूछताछ के लिए थाने ले आई थी। बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। बहरहाल इस पूरे मामले में जांच जारी है।

पंडरी मोवा इलाके में मैनेजर के घर दिनदहाड़े लाखों की चोरी

रायपुर(ए)। राजधानी रायपुर के पंडरी मोवा इलाके में एक मैनेजर के घर दिन दहाड़े चोरों ने धावा बोला। तीन लाख रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। डेढ़ लाख रुपये नगदी और सोने-चांदी के जेवर चुरा ले गए। पंडरी थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पंडरी थाने में अभिषेक चटर्जी ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस के मुताबिक मोवा स्थित दुबे कालोनी में अभिषेक चैटर्जी के घर चोरी की वारदात हुई। अभिषेक बिग बाजार में स्टोर मैनेजर के पद पर काम करते हैं। उनकी पत्नी दीपाली चटर्जी सड्डू स्थित स्कूल में टीचर हैं।

सुबह तकरीबन सात बजे वह स्कूल चली गई। इसके बाद 10 बजे अभिषेक घर में ताला बंदकर ऑफिस के लिए निकला गया। दोपहर तीन बजे लंच करने जब अभिषेक घर पहुंचे तो मुख्य गेट का दरवाजा टूटा हुआ था। अंदर पूरा सामान बिखरा पड़ा था। दो अलमारी के लाक टूटे हुए थे। अंदर रखा नगदी और सोने-चांदी के जेवर कोई चुरा कर ले गया था।

चार घंटे में चोरी की वारदात

अभिषेक के घर से निकलने के चार घंटे में चोरी की वारदात हुई। पुलिस को अंदेशा है कि वारदात को अंजाम देने वाले को घर में आने-जाने वालों की पहले से जानकारी थी। जिससे वह पहले से रेकी कर रखा था और चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

अनुकंपा नियुक्ति पर हाईकोर्ट का फैसला

शासकीय सेवा कर रहे ससुर को नहीं मान सकते परिवार का सदस्य, बहू को दी जाए नौकरी

बिलासपुर (ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति को लेकर महत्वपूर्ण आदेश दिया है। साथ ही यह टिप्पणी भी की है कि ससुर को परिवार का सदस्य नहीं माना जा सकता। ऐसे में ससुर के शासकीय सेवा में होने को आधार मानकर उसे अनुकंपा नियुक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। इस आदेश के साथ ही जस्टिस पी सैम कोशी की सिंगल बेंच ने शासन के उस आदेश को भी निरस्त कर दिया है, जिसमें अनुकंपा नियुक्ति के आवेदन पत्र को खारिज कर दिया गया था।

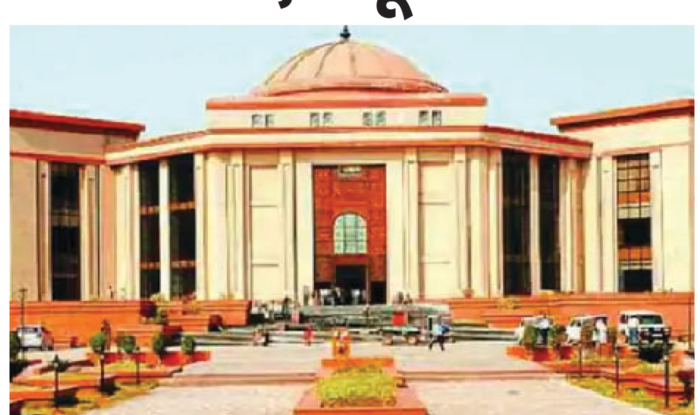

बेमेतरा जिले की रहने वाली राजकुमारी सिवारे ने अधिवक्ता अजय श्रीवास्तव के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें बताया गया कि उनके पति डोगेंद्र कुमार सिवारे सहायक शिक्षक (एलबी) के पद पर कार्यरत थे। सेवा में रहते हुए उनकी 18 नवंबर 2021 को मृत्यु हो गई। पति की मौत के बाद उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति के लिए विभाग में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया। उनके इस आवेदन पत्र को यह कह कर खारिज कर दिया गया कि दिवंगत शिक्षक के पिता शासकीय सेवा में है। शासन के नियम के अनुसार परिवार के किसी सदस्य शासकीय सेवा में है, तो उसे अनुकंपा नियुक्ति के पात्र नहीं माना जा सकता।

अनुकंपा नियुक्ति आवेदन निरस्त करने के आदेश को दी चुनौती

याचिकाकर्ता ने अपने अनुकंपा नियुक्ति के आवेदनपत्र को निरस्त करने के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। याचिका में तर्क दिया गया है कि कोई भी परिवार में माता-पिता और बेटा-बेटी शामिल रहता है। यह सही है कि दिवंगत शिक्षक के पिता शासकीय सेवा में है। उनके शासकीय सेवा को आधार पर मान दिवंगत शिक्षक की पत्नी को अनुकंपा नियुक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। क्योंकि, याचिकाकर्ता उनकी पत्नी है। उस पर अपने परिवार यानी कि अपने बेटे-बेटियों के भरण-पोषण का दायित्व है।

याचिका में भी यह भी तर्क दिया गया कि ससुर को परिवार का सदस्य नहीं माना जा सकता। जस्टिस पी सैम कोशी ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता के तर्कों को सही ठहराया है। कोर्ट ने माना है कि ससुर को परिवार का सदस्य मानकर अनुकंपा नियुक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने शासन के अनुकंपा नियुक्ति निरस्त करने के आदेश को खारिज कर दिया है। साथ ही कोर्ट ने अर्हता पूरी करने पर पर याचिकाकर्ता को अनुकंपा नियुक्ति देने का आदेश दिया है।

धारदार हथियार से ग्रामीण की हत्या, आंगन में मिला शव

बिलासपुर (ए)। बुधवार की सुबह कोटा क्षेत्र के दवनपुर में रहने वाले ग्रामीण की लाश घर के आंगन में मिली है। मृतक के गले में धारदार हथियार से चोट के निशान मिले हैं। घटना की सूचना पर पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस गांव में पूछताछ कर हत्यारों की जानकारी जुटा रही है। बेलगहना क्षेत्र के गोबरीपाट में रहने वाले बुद्धू मरकाम(63) का दवनपुर में ससुराल था। उन्हें ससुराल वालों की तरफ से जमीन मिली है। बुद्धू अपनी पत्नी जलकुंवर के साथ ससुराल में ही मकान बनाकर रहते थे। उनके बच्चे गोबरीपाट में रहते थे।

उनके पोते प्रकाश मरकाम की शादी तय हो गई थी। शादी की तैयारी के लिए जलकुंवर गोबरीपाट आ गई थीं। उनके पति दवनपुर में अकेले रह रहे थे। मंगलवार की रात वे आंगन में खाट लगाकर सो रहे थे। सुबह गांव वालों ने आंगन में उनकी खून से सनी लाश देखी। ग्रामीणों ने इसकी सूचना उनके स्वजन को दी। साथ ही घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्वजन का बयान दर्ज किया है। पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया है। कोटा थाना प्रभारी दिनेश चंद्रा ने बताया कि गांव में पूछताछ की जा रही है। देर शाम तक हत्यारों का सुराग नहीं मिल पाया था।

शादी की खुशियां मातम में बदली

बुद्धू मरकाम के पोते प्रकाश की शादी तय हो चुकी है। तीन दिन बाद ही उनके गोबरीपाट वाले घर में शादी का कार्यक्रम शुरू होने वाला था। इसकी तैयारी के लिए उनकी पत्नी पहले ही जा चुकी थीं। परिवार के सदस्य भी शादी की तैयारी में जुटे थे। उनके घर में मेहमानों का भी आना शुरू हो गया था। इसी बीच हत्या की खबर आ गई। शादी की तैयारी में जुटा परिवार सुबह ही दवनपुर पहुंच गया। घटना से परिवार के सदस्य सदमे में हैं।

शहर और राज्य बदलकर खिला रहे सट्टा, रायपुर के न्यू राजेंद्र नगर से तीन सटोरिए गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में इन दिनों सट्टा खिलाने वाले आरोपितों की धरपकड़ लगातार की जा रही है। रायपुर पुलिस आए दिन शहर के अलग-अलग इलाकों से सटोरियों को पकड़कर कार्रवाई कर रही है। बावजूद इसके इन सटोरियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब तो इन्होंने शहर और राज्य बदलकर सट्टा खिलाने का नया पैंतरा खोज लिया है।

बता दें कि पुलिस को चकमा देने सटोरियों ने नया पैंतरा खोजा है। दूसरे जिले या फिर राज्य बदलकर आइपीएल मैच का ऑनलाइन सट्टा खिलवा रहे। इसके लिए वह वकायदा घर किराए में ले रहे या फिर होटलों में रूम लेकर रह रहे। ताजा मामला न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र का सामने आया है। महावीर नगर साईं ड्रीम अमलीहडीह स्थित एक मकान से तीन सटोरियों को पकड़ा गया।

दो आरोपित महासमुंद और मध्यप्रदेश जबलपुर का है। पुलिस ने विक्की उर्फ देवकरण अग्रवाल निवासी कुटेला चौक मिशन स्कूल के सामने सरायपाली जिला महासमुंद, प्रकाश अग्रवाल निवासी सागर स्टेट कालोनी सरायपाली जिला महासमुंद, ऋषि जैन निवासी कमानी गेट बडा फौहारा थाना कोतवाली जिला जबलपुर मध्य प्रदेश को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई की गई।

मंगलवार को एंटी क्राइम और साइबर यूनिट टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना न्यू राजेंद्र नगर क्षेत्रांतर्गत महावीर नगर साईं ड्रीम अमलीहडीह स्थित एक मकान में कुछ व्यक्ति आरसीबी और एलसीजी के मैच के दौरान आनलाइन सट्टा का संचालन कर रहे है। जिस पर टीम ने थाना न्यू राजेन्द्र नगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मुखबीर द्वारा बताए उक्त स्थान स्थित मकान में रेड कार्यवाही की।

इस दौरान मकान में तीन व्यक्ति उपस्थित थे, जो लैपटाप और मोबाइल फोन के माध्यम से क्रिकेट मैच के दौरान ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा का संचालन कर रहे थे। सटोरियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक लैपटाप, आठ मोबाइल फोन, एक कैलकुलेटर, नकदी रकम 1,700 रुपये और सट्टे का हिसाब जब्त किया गया।

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875 99938-08453 75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी बियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

मिस एंड मिसेस लेडिस वेयर
• गाऊन • ब्रा. पेन्टी • नाईटी • ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

महिला उथान मंडल ने की शर्बत वितरण

दुर्ग। महिला उथान मंडल भिलाई दुर्ग के बहनो द्वारा बस स्टैंड हनुमान मंदिर दुर्ग में तप्ती धूप में राहगीरों के बीच शर्बत और चना का वितरण कार्यक्रम किया गया,मंडल की बहने ने बताई गई कि संत श्री आशारामजी बापू के 83 वे अवतरण दिवस 21 अप्रैल को है इस निमित्त यह कार्यक्रम विश्व सेवा दिवस के रूप में सभी जगह की जा रही है,कार्यक्रम में महिला मंडल की सभी बहने,युवा सेवा संघ और श्री योग वेदांत सेवा समिति के भाई भी उपस्थित थे,समिति द्वारा बताई गई कि 21 अप्रैल को बापू जी का अवतरण दिवस बेलौदी आश्रम में मनाए जायेगे जिसमे जरूरत मंद लोगो को भोजन प्रसादी नि:शुल्क बाटी जाएगी,उक्त जानकारी युवा संघ ने दी कि संघ की बैठक सुबह 6:30 बजे आश्रम में होगी सभी की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी,उक्त जानकारी युवा संग ने दी।

नव प्रवेशित विद्यार्थियों का हुआ इंडक्शन प्रोग्राम

दुर्ग। भारतीय आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल दुर्ग में बीएएमएस प्रथम वर्ष में नव प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. रश्मि भुरे थीं। इस अवसरर पर डॉ. रश्मि भुरे ने विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा की महत्ता, अनुशासन का पालन करने तथा नियमित अध्ययन करने हेतु प्रोत्साहित किया। प्राचार्य डॉ. मानस रंजन होता, उपप्राचार्य डॉ. श्याम हुमने एवं प्रबंध समिति की ओर से शालिनी चंद्राकर ने कार्यक्रम को संबोधित किया। डॉ. प्रशांत निषाद ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय एवं विद्यार्थियों के मध्य सामन्जस्य स्थापित करने हेतु जानकारियां दी। भारती हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. अंचल चंद्राकर ने चिकित्सालय एवं उपलब्ध सुविधाओं के विषय में विस्तार पूर्वक बताया। संचालन डॉ. निहारिका शर्मा एवं डॉ. अंजू चंद्राकर ने किया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 23 अप्रैल को धमधा में

थोक सब्जी मंडी के साथ सिंचाई व स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का करेंगे लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 23 अप्रैल को धमधा ब्लाक में खेती-किसानी, सिंचाई और स्वास्थ्य से जुड़े करोड़ों रुपए के कार्यों का लोकार्पण भूमिपूजन करेंगे। लगभग 11 करोड़ रुपए की लागत से यहां थोक सब्जी मंडी बनकर तैयार हो गई है। मंडी के बन जाने से किसानों का सीधा संपर्क देश भर के व्यापारियों से हो सकेगा और उन्हें अपने उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा। मंडी के अलावा धमधा के नये स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ भी मुख्यमंत्री करेंगे।

इस हाइटेक हास्पिटल में जनरल सर्जरी के अलावा स्पेशलिस्ट डाक्टर्स अपनी सुविधाएं प्रदान करेंगे। स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण डेढ़ करोड़ रुपए की लागत किया गया है। इसके अलावा लगभग 60 करोड़ रुपए के सिंचाई योजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन भी करेंगे।

कलेक्टर डा. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने आज इस संबंध में सभी अधिकारियों को तैयारी के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि धमधा में मुख्यमंत्री हितग्राहीमूलक योजनाओं के लाभान्वितों को भी सामग्री प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि धमधा में किसानों ने काफी नवाचार किया है। वे ड्रैगन फ्रूट, एप्पल बेर जैसे एक्जाटिक क्राप भी ले रहे हैं। इस तरह के नवाचारों का डिस्प्ले भी होना चाहिए। आज की बैठक में डीएफओ श्री शशि कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई, जिला पंचायत सीईओ श्री अश्विनी देवांगन, भिलाई निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे, सहायक कलेक्टर श्री हेमंत नंदनवार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पेयजल सर्वोच्च प्राथमिकता, करें लगातार मानिटरिंग

कलेक्टर ने निगम आयुक्तों को निर्देश दिया कि पेयजल सुविधाओं की लगातार मानिटरिंग करते रहें। जिन वार्डों में पेयजल की समस्या बन रही है वहां पर तात्कालिक तथा स्थायी राहत के उपाय किये जाएं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी उन्होंने लगातार पेयजल की स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिये। तांदुला से पानी छोड़ने के बाद निस्तारी तालाबों में जलभराव की स्थिति की जानकारी भी उन्होंने ली।

जनदर्शन के आवेदनों पर रिव्यू

कलेक्टर ने जनदर्शन के आवेदनों की गहन समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में एक या दो आवेदन जनदर्शन से आये हैं। वे स्वयं मौके पर पहुंचकर आवेदकों को राहत दिलाएं। उन्होंने कहा कि जनदर्शन के आवेदनों का समय पर और प्रभावी तरह से निराकरण बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि राजस्व से संबंधी अतिक्रमण आदि प्रकरणों पर शीघ्रता से कार्रवाई करें ताकि लोगों को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

गंजमंडी पानी टंकी में टेस्टिंग के लिए पानी भरा गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासन की महती योजना अमृत मिशन फेस 1 के तहत नगर निगम दुर्ग क्षेत्र में पूरी आबादी को पेयजल संकट से निजात दिलाने लगातार प्रयासरत है । शहर विधायक अरूण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल के द्वारा अमृत मिशन योजना की लगातार मॉनिटरिंग एवं निगम आयुक्त हरेश मंडावी के मार्ग निर्देशन में कार्य करवाए जाने से अमृत मिशन योजना फेज 1 के सभी कार्य पूर्ण हो गये है।

योजना के पूर्ण हो जाने पर शहर की शत प्रतिशत आबादी को ग्रीष्म काल मे भी पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध होगा।शहर की गंजमंडी पानी टंकी जो सबसे बड़ी पानी टंकी है जिसका निर्माण अमृत मिशन योजना के तहत किया गया है जिसकी क्षमता 3400 किलो लीटर है इस पानी टँकी में टेस्टिंग के लिए आज पानी भरा गया है।टेस्टिंग के पश्चात इस टँकी से जल प्रदायगी प्रारंभ होने पर शहर के मध्य भाग स्थित केलाबाड़ी,कसारीडीह,गंजपारा, ऋषभ नगर क्षेत्र के लगभग 75000 परिवारों को अमृत मिशन योजना के तहत पानी लाभविन्त होंगे।

अमृत मिशन योजना के तहत जल प्रदायगी के साथ साथ जल शुद्धिकरण कार्य मे विशेष ध्यान रखा जा रहा है जिसके तहत अतिआधुनिक तरीके से पानी से सम्बंधित समस्त व्यवस्था को संचालित करने हेतु स्काडा सिस्टम के माध्यम से बोरसी, पोटिया, कातुलबोर्ड, 11 एमएलडी एवं हनुमान नगर पानी टंकी से कनेक्ट कर दिया गया है।

स्काडा सिस्टम का 24 एमएलडी फील्डर प्लांट में कंट्रोल रूम स्थित है जहाँ से एक जगह में ही बैठकर आधुनिक तकनीक से टंकियों में भरने वाले पानी वा प्लांट में क्लियर वॉटर के सभी पम्पो को ऑपरेट किया जा सकेगा इस सिस्टम के तहत कार्य प्रारंभ हो जाने से पानी टंकियों में पानी कितना भरा है लेबल पता चल जाएगा एवं पानी टंकियों के पूरे भर जाने पर कंट्रोल रूम में डिस्पेल के माध्यम से सूचना मिल जाएगी।

एमआरडी बिरादरी ने दिखाया दम, किया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के एमआरडी ने अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन को निरंतर जारी रखते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 मे बोरिया कमर्शियल कॉम्प्लैक्स से 4,12,004 टन मटेरियल डिस्पैच कर बहुमूल्य मुद्रा अर्जित की और इस प्रकार मात्रा एवं विक्रय मूल्य दोनों के आधार पर सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ निष्पादन का कीर्तिमान दर्ज कर लिया है ।

विभाग ने वर्ष 2020-21 मे स्थापित पिछले रिकॉर्ड 3,92,739 टन मटेरियल डिस्पैच से बहुमूल्य मुद्रा अर्जित कर क्रमश: 5 प्रतिषत एवं 33 प्रतिषत की उल्लेखनीय वृद्धि की है।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) एस एन आबिदी ने एमआरडी बिरादरी को उनके निरंतर श्रेष्ठ प्रदर्शन पर बधाई देते हुए संयंत्र की बेहतरी के लिए भविष्य मे भी पूरी सतर्कता, उत्साह एवं विश्वास के साथ इसे जारी रखने के लिए प्रेरित किया तथा सह्योगी विभागों के अनवरत सहयोग हेतु सराहना की। एमआरडी के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन का श्रेय नि:संदेह, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) सैय्यद नवेद आबिदी की प्रभावी रणनीतिक योजना एवं उत्साहवर्धन तथा विभाग प्रमुख व मुख्य महाप्रबंधक बी पी राव के कुशल व सक्षम नेतृत्व के साथ साथ विभाग की समूची समर्थ व दृढ़संकल्पित बिरादरी को जाता है।

महापौर व आयुक्त ने लू से बचाव के लिए जन जागरूकता लाने दिए निर्देश धूप से बचें व शीतल पेय का करे ज्यादा सेवन

लू के बचाव के लिए अपनाए घरेलू उपाय, गंभीर स्थिति में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रां में कराए उपचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भीषण गर्मी में लू के प्रकोप से लोग हलाकान हो रहे हैं और इस बचाव के लिए आवश्यक जतन भी किया जाना आवश्यक है। महापौर नीरज पाल ने इस 40 डिग्री से पार तापमान के बीच लू से बचाव के लिए निगम प्रशासन को इससे बचाव के लिए जन जागरूकता लाने कहा है। आयुक्त प्रकाश सर्वे ने जोन के सभी वार्डों में स्वास्थ्य प्रभारियों, एएनएम, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व मितानिनों के माध्यम से डोर-टू-डोर पहुंचकर इससे बचने उपाय बताने के निर्देश दिए हैं।

निगम का स्वास्थ्य विभाग ने भी लू के लक्षण सहित उनके बचने घरेलू उपाय भी बताए। सिर में भारीपन और दर्द का अनुभव होना, बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना। शरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीने का न आना, अधिक प्यास लगना और पेशाब कम आना, भूख न लगना और बेहोश होना लू के प्रमुख लक्षण हैं। इससे बचने हल्का भोजन करें, पानी ज्याद पीये, फल अधिक सेवन करें, कच्चे आम का लेप बनाकर पैरों के तलवों पर मालिश करें, चाय-काफी से बचते हुए नींबू पानी, शिखंजी, लस्सी आदि शीतल पेय पीए।

दिन में दो बार ठंडे पानी से स्नान करें। बुखार आने पर सिर पर ठंडे पानी की पट्टी लगाए, पीड़ित के शरीर पर ठंडे पानी का छिड़काव करते रहे। अधिक समय धूप में न रहें। हल्के रंग के सूती कपड़ा पहनें। लू से पीड़ित की गंभीर स्थिति में या प्रारंभिक सलाह के लिए उल्टी, सर दर्द, तेज बुखार की दशा में पास के अस्पताल या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में जाकर उपचार कराएं या मितानिन या एएनएम से प्राप्त कर ओआरएस का घोल पिलाए।

एक अच्छे कार्य की प्रतिज्ञा - जीवदया ग्रुप

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आवारा घूमने वाले मवेशियों और पशुओं के लिए दुर्ग के जैन समाज के युवाओं की 30 लोगों की टीम जीव दया ग्रुप इन दिनो शहर की हर महोल्ला जाकर घर- घर कोटना और सकोरा जाकर दे रही है ताकि आवारा घूमने वाले पशुओं को दिक़्क़त न हो ग्रुप के सदस्यों के पास मेसेज आते ही कोटना और सकोरा का क्रमांक के माध्यम से सबके घर जाकर पहुँचाया जाता है।

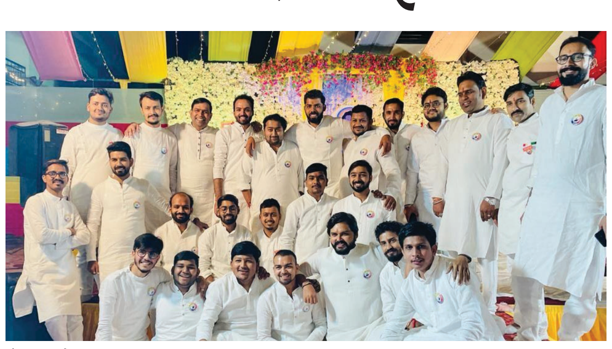

इस बार 500 से अधिक कोटना और 1000 सकोरा बाटने का लक्ष्य है इसके लिए ग्रुप ने अलग - अलग टीम बनाई है जो घर -घर जाकर सकोरा और कोटना वितरण का कार्य कर रही है ग्रूप के प्रवेश पारख ने बताया की गर्मी में बेज़ुबान जीवों को पानी चारा की समस्या अधिक हो रही है मालवीय नगर , महावीर कालोनी , गया नगर और खंडेलवाल कालोनी में वितरण किया गया आगे सभी जगह ये किया जाएगा हमने ये सेवा का कार्य चालू किया है आप भी जीव दया ग्रुप से संपर्क करके सकोरा और कोटना मँगवा सकते है।

चलित प्याऊ घर- एक तरफ़ जहां 44 डिग्री गर्मी से परेशान लोग वही मानव सेवा के चलते जैन समाज के युवा चलित प्याऊ घर से लोगों की प्यास बुझा रहे है और ये संदेश दे रहे है की अब कोई न रहेगा प्यास। अमित बाफ़्ना, राहुल कोचर, मयंक लुनिया, विनय ओस्तवाल, प्रकाश कांकरिया, अशोक लोढ़ा,नीरज लूनावत,ऋषि बोथरा, मयंक बोथरा, मयंक बोथरा, शैलेश बुरड,प्रफुल्ल चोपड़ा, अर्पित लोढ़ा, दर्शन भंडारी सहित जैन समाज के 30 युवा और 20 युवतियाँ जुड़ी है।

व्यवस्तम बाजारों की रात्रिकालीन सफाई से ज्यादा साफ-सुथरा नजर आने लगा शहर

केम्प दो फल मंडी, लिंक रोड, जवाहर माकेट सहित कई बाजारों की प्रतिदिन हो रही सफाई, दुकानदारों से कर रहे डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण

महापौर व आयुक्त ने बाजारों की स्वच्छता व सुंदरता के लिए दुकानदारों से की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर की पहचान वार्डों के साथ बाजार क्षेत्रों के स्वच्छता से होती है। नगर निगम प्रशासन द्वारा भी अपने शहर को विशेष पहचान दिलाने विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

साथ ही आम नागरिक व नगरीय क्षेत्र के व्यवसायियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसका भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से निगम क्षेत्र के बाजारों में दिन के अलावा रात्रिकालीन सफाई भी की जा रही है। इस व्यवस्था से बाजार वाले क्षेत्रों में जहां व्यापारियों व आमजनों का कार्य प्रभावित नहीं होता, वहीं सफाई कार्य भी बाधित नहीं होता है। महापौर नीरज पाल शहर की स्वच्छता व सुंदरता को दुरूस्त बनाए रखना चाहते हैं। उन्होंने सभी जोन में वार्डों के अलावा बाजार क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश निगम के जोन, मुख्य व प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। वही आयुक्त प्रकाश सर्वे ने सभी प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारियों को बाजारों की रात में नियमित सफाई करवाने कहा है।

इन दिनों जोन 1 के नेहरू नगर मार्केटों, जोन 2 के वैशाली नगर, गोल मार्केट, जोन 3 अंतर्गत केम्प दो फल मंडी, जवाहर मार्केट, नेताजी सुभाष सब्जी मार्केट, शीतला कॉम्पलेक्स, लिंक रोड, महात्मा गांधी मार्केट आदि की रात में नियमित सफाई हो रही है। वहीं जोन 4 अंतर्गत बस स्टैंड, पं. रविशंकर शुक्ला मार्केट, टी मार्केट, शास्त्री मार्केट, नंदिनी रोड व सुभाष मार्केट की सफाई कर्मी द्वारा प्रति रात सफाई की जा रही है। जोन के इन सभी मार्केटों में रात को दुकानदारों से डोर-टू-डोर कचरा भी संग्रहण किया जा रहा है। रात में नंदिनी रोड से एसीसी चौक, छावनी चौक से तिरंगा चौक, ट्रांसपोर्ट नगर से डबरापारा चौक, जवाहर मार्केट, लिंक रोड, गौरव पथ, कैनाल रोड की स्वीपिंग मशीन से महीनें में दो बार सफाई हो रही है। इस सफाई कार्य का मॉनिटरिंग स्वयं आयुक्त कर रहे हैं।

उन्होंने जोन व प्रभारी अधिकारियों को रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था का सतत मॉनिटरिंग करने को कहा है। प्रभारी स्वच्छता अधिकारियों ने दुकानदारों से कहा कि सफाई कर्मियों द्वारा झाड़ू लगाने व कचरा संग्रहण के बाद कचरा न फेंके। कचरे को डस्टबीन में ही डाले। आयुक्त ने निर्देश दिया है कि ऐसे दुकानदारों को चिन्हित करें, जो सफाई हो जाने के बाद भी कचरा फेंकते हैं। पहले समझाईश दे। उनके नहीं मानने पर जुर्माने की कार्यवाही करें। आयुक्त ने दुकानदारों से अपील की है कि बाजार क्षेत्र को स्वच्छ व सुंदर बनाने में निगम का सहयोग करें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950